सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

संघ की तारीफ पर राहुल गांधी ने दिग्विजय से दो टूक कहा..... पेज: 7

मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाना मेरे लिए पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 261 | मंगलवार 30 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कांग्रेस-उद्धव गुट की जुगलबंदी, बीजेपी को मिलेगी कड़ी चुनौती?

पुणे एजेंसी: शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और कांग्रेस ने सोमवार को पुणे में आगामी नगर निगम चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए गठबंधन की आधिकारिक घोषणा की। यह घोषणा वरिष्ठ नेताओं सतेज पाटिल और सचिन अहीर ने की। प्रारंभिक सीट-बंटवारे की व्यवस्था के अनुसार, कांग्रेस पुणे नगर निगम (पीएमसी) की 160 सीटों में से 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना 45 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। दोनों पक्षों के नेताओं ने कहा कि शेष 55 सीटों के आवंटन को लेकर दोनों पार्टियों के बीच बातचीत जारी है और आने वाले दिनों में सीट बंटवारे को लेकर और स्पष्टता आने की उम्मीद है। रविवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने आगामी पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निगम चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और एनसीपी (शरद चंद्र पवार गुट) के बीच गठबंधन की घोषणा की।

सेना के लिए 79,000 करोड़ के हथियार: राजनाथ सिंह बोले- अब बढ़ेगी परिचालन क्षमता

नई दिल्ली एजेंसी: रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा सशस्त्र बलों के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दिए जाने के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है और लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे। यह तब हुआ जब रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने तीनों सेनाओं के लगभग 79,000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी। एक पोस्ट में राजनाथ सिंह ने लिखा कि आज हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में तीनों सेनाओं के लगभग 79,000 करोड़ रुपये के विभिन्न प्रस्तावों को आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) दी गई। पोस्ट में आगे कहा गया, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय भारत की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। आज लिए गए निर्णय सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने में सहायक होंगे।" रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 29 दिसंबर, 2025 को हुई बैठक में, तोपखाने रेजिमेंटों के लिए लोइटर मुनिशन सिस्टम, लो लेवल लाइट वेट रडार, पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम (एमआरएलएस) के लिए लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट गोला-बारूद और भारतीय सेना के लिए इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II की खरीद के लिए एओएन (AoN) को मंजूरी दी गई। लोइटर मुनिशन का उपयोग सामरिक लक्ष्यों पर सटीक हमले के लिए किया जाएगा, जबकि लो लेवल लाइट वेट रडार छोटे आकार के, कम ऊंचाई पर उड़ने वाले मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूरोपीय प्रणालियों) का पता लगाने और उन पर नजर रखने में सक्षम होंगे। लंबी दूरी के गाइडेड रॉकेट पिनाका एमआरएलएस की रेंज और सटीकता को बढ़ाएंगे, जिससे उच्च-मूल्य वाले लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। मंत्रालय ने बताया कि बढ़ी हुई रेंज वाला इंटीग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम एमके-II सामरिक युद्ध क्षेत्र और भीतरी इलाकों में भारतीय सेना की महत्वपूर्ण संपत्तियों की रक्षा करेगा। भारतीय नौसेना को बोलार्ड पुल (बीपी) टग्स, हाई फ्रीक्वेंसी सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एचएफ एसडीआर) मैनपैक की खरीद और हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग रेंज (एचएएलई) रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट सिस्टम (आरपीएएस) के पट्टे के लिए एओएन प्रदान किया गया था।

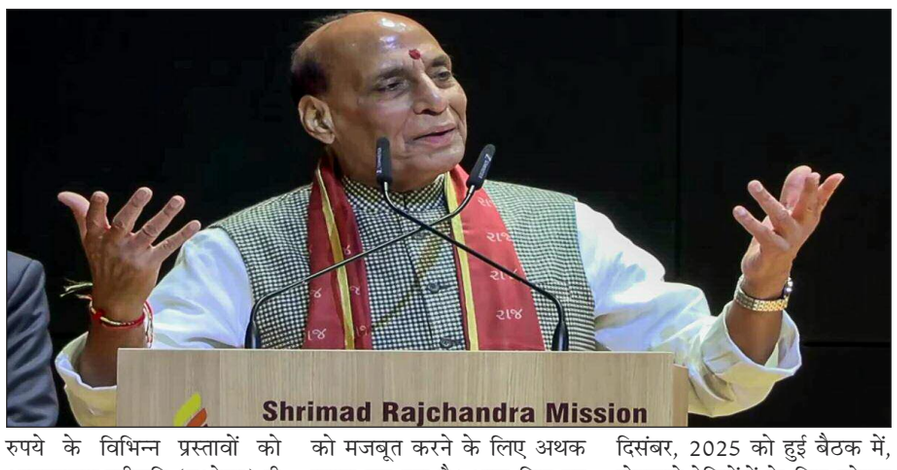

79,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण रक्षा प्रस्तावों को स्वीकृति

रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने हेतु लगभग 79,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण रक्षा प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कदम पर जोर देते हुए कहा कि इससे भारत की रक्षा तैयारियां और भी सशक्त होंगी तथा भविष्य की चुनौतियों के लिए सेना को बेहतर ढंग से तैयार किया जा सकेगा।

सीएम सुक्खू का केंद्र पर हमला: एमजीएनआरईजीए रद्द करना ग्रामीण विरोधी, लाखों परिवारों की आजीविका पर संकट

हिमाचल एजेंसी: हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खु ने सोमवार को अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों के साथ शिमला के रिज स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा के पास केंद्र सरकार के एमजीएनआरईजीए योजना को बंद करने के फैसले के विरोध में प्रदर्शन किया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने इस कदम को घोर ग्रामीण विरोधी और लाखों ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा के लिए हानिकारक बताया। सुक्खु ने कहा कि एमजीएन आरईजीए योजना, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा परिकल्पित और कार्यान्वित किया गया था, ग्रामीण रोजगार और

समावेशी विकास का आधारशिला रही है। उन्होंने बताया कि पहले की व्यवस्था के तहत, एमजीएन आरईजीए के अंतर्गत कार्यों की योजना और क्रियान्वयन ग्राम पंचायतों और ग्राम सभाओं के प्रस्तावों के आधार पर किया जाता था, जो स्थानीय प्राथमिकताओं को दशार्ता था और जमीनी स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित करता था। हालांकि, नई व्यवस्था में पंचायतों को दरकिनार कर दिया गया है, क्योंकि योजना प्राधिकरण को केंद्रीकृत कर दिया गया है और अब केंद्र सरकार द्वारा सीधे निधि आवंटित की जाएगी, तथा परियोजनाओं को चयनित क्षेत्रों के लिए अधिसूचित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी निर्णय को उजागर करने के लिए राज्य भर में जिला और ब्लॉक स्तर पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करके अपना विरोध तेज करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक होगा। उन्होंने कहा, "पहले केंद्र सरकार एमजीएनआरईजीए के तहत पूरी मजदूरी का भुगतान करती थी, जबकि राज्य सरकार श्रमिकों को प्रतिदिन 80 रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन देती थी। संशोधित व्यवस्था के तहत, केंद्र सरकार केवल 90 प्रतिशत मजदूरी का भुगतान करेगी, शेष राशि राज्य सरकार को वहन करनी होगी।" मुख्यमंत्री सुखु ने जोर देकर कहा कि एमजीएनआरईजीए को पंचायतों की मांगों और स्थानीय विकास आवश्यकताओं से प्रेरित होकर अपने मूल स्वरूप में जारी रखना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एमजीएनआरईजीए के तहत जिला परिषदों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन का भुगतान भी बंद कर दिया गया है, जिससे योजना के प्रभावी कार्यान्वयन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

असम से घुसपैठियों पर अमित शाह का बड़ा बयान: कांग्रेस ने सालों तक आंखें मूंदी, अब हो रही कार्रवाई

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के नागांव जिले में बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्घाटन करते हुए भारत रत्न गोपीनाथ बोरदोलोई की विरासत को याद किया और कहा कि उनके प्रयासों के बिना असम और पूरा पूर्वोत्तर भारत का हिस्सा नहीं रह पाता। महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि, पुनर्निर्मित बटाद्रवा थान में बोलते हुए शाह ने कहा कि आज मैं भारत रत्न गोपीनाथ जी को याद करना चाहता हूं। अगर वे न होते, तो असम और पूरा पूर्वोत्तर आज भारत का हिस्सा न होता। गोपीनाथ जी ही थे जिन्होंने जवाहरलाल नेहरू को असम को भारत में रखने के लिए बाध्य किया। बातद्रवा थान के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, शाह ने इसे असमिया समाज में

एकता और सद्भाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक पूजा स्थल नहीं है, बल्कि असमिया सद्भाव का जीवंत प्रतीक है। सभी समुदाय यहां 'नव-वैष्णव धर्म' को आगे बढ़ाने के लिए आते हैं। उन्होंने श्रीमंत शंकरदेव द्वारा प्रचारित समावेशी वैष्णव परंपरा का जिक्र किया। असम सरकार द्वारा शुरू की गई बटाद्रवा सांस्कृतिक परियोजना का उद्देश्य इस पवित्र स्थल को विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन स्थल में परिवर्तित करना है। अतिक्रमण मुक्त कराई गई 162 बीघा भूमि पर फैली इस परियोजना को लगभग 217 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया गया है। इसके साथ ही अमित शाह जोर देते हुए कहा कि भाजपा पूरे देश से सभी घुसपैठियों को हटाने का संकल्प लेती है...क्या शंकरदेव की इस जगह पर बांग्लादेशी घुसपैठियों का होना उचित था? मैं हिमंता बिस्वा शर्मा को घुसपैठियों को यहाँ से हटाने और नामघर स्थल को पुनः स्थापित करने के लिए बधाई देता हूँ। एक लाख बीघा से अधिक भूमि घुसपैठियों से मुक्त कराई गई है। कांग्रेस ने इतने वर्षों तक शासन किया, लेकिन उसने असम आंदोलन के लिए प्राणों की आहुति देने वालों के लिए कुछ नहीं किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि यह पहल असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करने में सहायक होगी, साथ ही राज्य के पूजनीय वैष्णव संत, समाज सुधारक और सांस्कृतिक प्रतीक श्रीमंत शंकरदेव के आदर्शों को बढ़ावा देगी।

सत्ता स्थायी नहीं: कर्नाटक में सिद्धारमैया को शिवकुमार का सीधा संदेश ! सियासी सरगर्मी बढ़ी

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक दल स्थायी रूप से सत्ता में नहीं रहता। यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर एक अप्रत्यक्ष कटाक्ष थी, जो दोनों नेताओं के बीच चल रही नेतृत्व की खींचतान के बीच सामने आई। केपीसीसी कार्यालय स्थित भारत जोड़ो भवन में कांग्रेस स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए शिवकुमार ने कहा कि इतिहास गवाह है कि अंततः सबसे शक्तिशाली भी पतन की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने कहा, सम्राट भी गुमनामी में खो गए हैं। विश्व को जीतने वाला सिकंदर महान अब नहीं रहा। सद्दाम हुसैन को सुरंग में छिपना पड़ा था। भाजपा समेत अन्य लोगों के साथ भी ऐसा ही होगा। पिछले सप्ताह शिवकुमार ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास का दौरा किया, जिसके बाद उन्होंने कहा, "मैं सिर्फ मंच पर बैठकर भाषण नहीं देता था; मैंने पार्टी में हर काम किया है।" इन टिप्पणियों को

सिद्धारमैया पर कटाक्ष के रूप में भी देखा गया। 20 नवंबर को सरकार के पांच वर्षीय कार्यकाल का आधा समय पूरा होने के बाद सत्ताधारी कांग्रेस के भीतर आंतरिक बहस तेज हो गई है। नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें 2023 में कांग्रेस के सत्ता में आने पर दोनों नेताओं के बीच हुए सत्ता-साझाकरण समझौते से जुड़ी हुई हैं। सिद्धारमैया ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि वे कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में अपना पूरा कार्यकाल जारी रखेंगे। ऐसी खबरें हैं कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री का कार्यकाल बराबर-बराबर बांटने का समझौता हो सकता है। हालांकि पार्टी या नेताओं में से किसी ने भी इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन शिवकुमार ने हाल ही में बिना कोई विवरण दिए एक "गुप्त समझौते" की ओर इशारा किया है।

हालांकि, शिवकुमार ने मतभेद की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस उच्च कमान द्वारा दी गई स्वतंत्रता के तहत वर्तमान प्रशासन एक एकजुट टीम के रूप में कार्य कर रहा है। जब उनसे सीधे तौर पर पूछा गया कि क्या वे पूरे पांच साल के कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा रखते हैं, तो शिवकुमार ने कहा कि वे खुद को मुख्य रूप से एक पार्टी कार्यकर्ता के रूप में देखते हैं

दुनिया के कल्याण के लिए भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करें हिंदू: भागवत

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदुओं से अपील की कि वे हिंदू समाज और दुनिया के कल्याण के लिए भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम करें। अंतरराष्ट्रीय हिंदू संगठनों के एक सम्मेलन विश्व संघ शिविर के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि हिंदुओं और स्वयंसेवकों को उदाहरण प्रस्तुत करके हुए यह दिखाना होगा कि मानव बुद्धि को वैश्विक कल्याण की दिशा में कैसे लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा, ... प्रौद्योगिकी आगे बढ़ेगी। सोशल मीडिया बढ़ेगा। ए.आई. आएगा। सब कुछ आएगा। लेकिन, प्रौद्योगिकी के दुष्प्रभाव नहीं होंगे। प्रौद्योगिकी मानवता की मालिक नहीं बनेगी। इंसान ही प्रौद्योगिकी का मालिक रहेगा। उन्होंने यह भी कहा, मानव बुद्धि को तकनीक के माध्यम से विश्व कल्याण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, न कि इसके विपरीत। यह कैसे संभव होगा? इसके लिए हमें स्वयं उदाहरण बनकर जीना होगा। यह संदेश पूरे भारतीय समाज के लिए है। भागवत ने कहा, दुनिया के बाकी हिस्सों में लोग अधिकतम लोगों का भला भी नहीं कर सके उन्होंनेकहा कि हिंदू समाज को ऐसी जीवनशैली अपनानी चाहिए, जिससे अन्य लोग उनसे सीख सकें। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदू समाज को धर्म स्थापित करने के लिए पूरी दुनिया में अपने आदर्शों को फैलाना होगा, लेकिन यह सैन्य या आर्थिक ताकत से दूसरों को दबाकर नहीं, बल्कि अपने उच्च जीवन-मूल्यों की सहायता से करना होगा। भागवत ने भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि यह केवल हिंदू समाज की इच्छा नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की जरूरत है। उन्होंने कहा, दुनिया हमसे उम्मीदें लगाए हुए है। हमें विश्वगुरु बनना है

देहरादून में छात्र की हत्या पर गुस्सा, सीएम धामी ने कहा- उपद्रवी तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा

त्रिपुरा एजेंसी: त्रिपुरा में दुख और गुस्से का माहौल था, जब उत्तराखंड के देहरादून ज़िले में बेरहमी से हमला किए जाने के बाद मारे गए एक युवा आदिवासी छात्र का शव राज्य में वापस लाया गया। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नस्लीय हमले में त्रिपुरा के छात्र की हत्या की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और आरोपियों में से एक, जो अभी फरार है, उसे जल्द ही हिरासत में ले लिया जाएगा। त्रिपुरा के उनाकोटी ज़िले के नंदनगर के रहने वाले 24 साल के एमबीए फाइनल ईयर के छात्र एंजेल चकमा की देहरादून में एक नस्लीय हमले में चाकू लगने से मौत हो गई। 9 दिसंबर को एंजेल और उसके छोटे भाई माइकल को कुछ लोगों के एक ग्रुप ने रोका, जिन्होंने कथित तौर पर उन पर नस्लीय टिप्पणियां कीं, जिसके बाद एक स्थानीय बाजार में झगड़ा हुआ। उत्तराखंड पुलिस ने देहरादून में पढ़ रहे त्रिपुरा के एक छात्र की

हत्या में शामिल छठे आरोपी को पकड़ने के लिए अपनी टीम नेपाल भेजी है। पीड़ित की पहचान 24 साल के एंजेल चकमा के रूप में हुई है, जो त्रिपुरा के उनाकोटी जिले का रहने वाला था और अपने छोटे भाई माइकल के साथ देहरादून के एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी में MBA की पढ़ाई कर रहा था। छह आरोपियों में से पांच को पकड़ लिया गया है, लेकिन नेपाल के कंचनपुर जिले का रहने वाला यज्ञराज अवस्थी फरार है। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया है और उसे ट्रैक करने के लिए नेपाल एक टीम भेजी है। सीएम धामी ने कार्रवाई का वादा किया एंजेल की हत्या को लेकर बढ़ते गुस्से के बीच, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है। शनिवार को जारी एक बयान में, धामी ने कहा कि उनकी सरकार उत्तराखंड में रहने वाले हर नागरिक की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, "जो लोग कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करते हैं, उन्हें सरकार से किसी भी तरह की दया की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ऐसे उपद्रवी तत्वों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा,"

उत्तराखंड के किसानों को शिवराज का सीधा संदेश: खातों में पहुंचे 65 करोड़, कांग्रेस पर साधा निशाना

उत्तराखंड एजेंसी: केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड में प्रतिकूल मौसम के कारण फसलों को नुकसान पहुंचने वाले किसानों के खातों में 65 करोड़ रुपये से अधिक जमा किए जा चुके हैं और इस वर्ष अकेले ही 500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जमा की जा चुकी है। सभा को संबोधित करते हुए चौहान ने जोर दिया कि उत्तराखंड में लोकप्रिय रूप से उगाया जाने वाला माल्टा संतरा भारत के कोने-कोने तक पहुंचेगा और सरकार इसके वैश्विक निर्यात के लिए हर संभव प्रयास करेगी। शिवराज ने कहा कि यहां फलों की इतनी विविधता है। यहां का माल्टा संतरा इतना बड़ा होता है कि तरबूज जैसा लगता है। यह माल्टा संतरा भारत के कोने-कोने तक जाएगा और हम इसे पूरी दुनिया में पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। आज इस अवसर पर मैं उत्तराखंड के किसान भाइयों और बहनों से कहना चाहता हूं: मुख्यमंत्री हर संभव प्रयास कर रहे हैं। शिवराज चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। आज हमने प्रतिकूल मौसम के कारण फसलों को नुकसान झेलने वाले किसानों के खातों में 65

करोड़ रुपये से अधिक जमा कर दिए हैं, और इस वर्ष ही 500 करोड़ रुपये से अधिक जमा किए जा चुके हैं। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के जॉली ग्रांट हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान का स्वागत किया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को विकसित भारत-ग्राम जन विकास अधिनियम, 2025 के रूप में प्रतिस्थापित किए जाने पर हुए विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सभी योजनाएं भ्रष्टाचार का शिकार हुईं। शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा, ह्लआज कांग्रेस पार्टी विरोध कर रही है और कह रही है कि नाम बदल दिया गया है। उन्होंने खुद कुछ नहीं किया; उनकी सभी योजनाएं भ्रष्टाचार का शिकार हुईं। जब प्रधानमंत्री मोदी ने अच्छा काम किया है, तो वे आज इसका विरोध कर रहे हैं... कृषि और खेती के लिए, गांवों के विकास के लिए और गरीबों के उत्थान के लिए, मैं हमेशा आप सबके साथ खड़ा रहूंगा ह्ल उन्होंने एक्स पर साझा किया कि विकसित भारत - जी राम जी' योजना के तहत इस वर्ष 1,51,282 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित किया गया है। ग्रामीण यह तय करेंगे कि उनके गांव में कौन से विकास कार्य किए जाएंगे। इसमें किसानों को भी ध्यान में रखा गया है। इसके अतिरिक्त, प्रशासनिक व्यय 6% से बढ़ाकर 9% कर दिया गया है। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी के साथ गौचर, चमोली में किसानों से मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में साझा किया कि आज मैं उत्तराखंड के किसानों के बीच हूं और उनसे कृषि पर चर्चा कर रहा हूं। इसी क्रम में, चमोली जिले के गौचर में, मैंने मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी जी के साथ किसानों से मुलाकात की। मैंने उनके कृषि संबंधी अनुभवों को सुना, नई बातें सीखीं और किसानों की मेहनत को करीब से देखा। हमारा प्रयास है कि किसान आगे बढ़ें, कृषि मजबूत हो और किसानों को उनकी मेहनत का पूरा लाभ मिले।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तराखंड में फसल नुकसान से प्रभावित किसानों को 65 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि जारी करने की घोषणा की, साथ ही इस वर्ष कुल 500 करोड़ रुपये से अधिक जमा किए गए हैं।

संपादकीय

वोटर के अहम विरोधाभास

देश के 12 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) का अभियान चलाया था। कुल 51 करोड़ मतदाताओं का पुनरीक्षण किया जाना था। एसआईआर की प्रक्रिया के बाद 6.57 करोड़ मतदाताओं के नाम सूचियों से काट दिए गए। यह बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण आंकड़ा है। दो विरोधाभासी तस्वीरें सामने आई हैं। देश के सबसे बड़े राज्य उप्र में ही 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जबकि उप्र में भाजपा की सरकार है। इसके उलट असम में 2001 के बाद 1 करोड़ से अधिक मतदाता बढ़ गए हैं। वहां की मतदाता सूची के ड्राफ्ट में 2 करोड़ 52 लाख 02775 मतदाता दर्ज किए गए हैं। 2021 के बाद से 18 लाख से अधिक मतदाता बढ़े हैं, जबकि पुनरीक्षण के दौरान 10.6 लाख नाम काटे भी गए हैं। गौरतलब यह है कि 93021 मतदाताओं को ह्यडीह्ल श्रेणी में रखा गया है। उन 'संदेहास्पद' नामों को भी मतदाता सूची में शामिल किया गया है, लेकिन वे तब तक वोट डालने के 'अपात्र' रहेंगे, जब तक उनकी भारतीय नागरिकता घोषित नहीं हो जाती। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा का बयान संवेदनशील और चेतावनीपूर्ण है कि राज्य में बांग्लादेश मूल के लोगों की संख्या 40 फीसदी को पार कर चुकी है। यदि उनकी आबादी 50 फीसदी से अधिक हो गई, तो वे असम राज्य के बांग्लादेश में विलय की साजिश रच सकते हैं। ऐसी कोशिशें भी जारी हैं। सवाल है कि उप्र में जो 2.89 करोड़ नाम कटे हैं और असम में जो 18 लाख से ज्यादा मतदाता बढ़े हैं, क्या वे बांग्लादेशी अथवा रोहिंग्या घुसपैठिए हैं? चुनाव आयोग स्पष्ट क्यों नहीं करता? जिन मतदाताओं की मौत हो चुकी है, उनकी संख्या स्पष्ट है और वे नाम मतदाता सूचियों से बाहर किए जाने चाहिए, लेकिन चुनाव आयोग ने जिन मतदाताओं को मिसिंग, लापता, गायब, पते पर गैरहाजिर और संदेहास्पद करार दिया है, उनके आधार क्या हैं? क्या उनकी नागरिकता भी सवालिया है? बेशक नागरिकता का संवैधानिक अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। वह गृह मंत्रालय का विशेषाधिकार है, लेकिन जिन मतदाताओं को मिसिंग या शिफ्ट करार दिया गया है, उनका मताधिकार तो सुरक्षित है न? वे देश में जहां भी होंगे, क्या वहां के मतदाता बना दिए जाएंगे अथवा वे अनाथ हो जाएंगे? कमोबेश भारत में मताधिकार मौलिक अधिकार है और उसे कोई भी सरकार या चुनाव आयोग छीन नहीं सकता।

चिंतन-मनन

मानव जीवन की गरिमा

नालंदा तक्षशिला जैसे अनेक विश्वविद्यालय इस देश में थे। देश की शिक्षा व्यवस्था की पूर्ति तो स्थानीय गुरुकुल ही कर लेते थे। उच्च स्तरीय एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था का प्रबंध यह विश्वविद्यालय करते थे। देश-देशांतरों की भाषाएं वहां पढ़ाई जाती थीं, जिनमें पारंगत होकर अपने को विश्व सेवा के लिए समर्पित करने वाले महामानव विश्व के कोने-कोने में पिछड़े क्षेत्रों को पिछड़े वर्ग को हर दृष्टि से ऊंचा उठाने के लिए अपनी अहैतुकी सेवा भावना की अजस्र वष्रा करते थे। न केवल धर्म और अध्यात्म वरन कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण, शिल्प उद्योग, नौकायन, चिकित्सा, वास्तु, रसायन आदि भौतिक विज्ञान की अनेकानेक धाराओं से संसारवासियों को परिचित प्रवीण कराने के लिए अथक परिश्रम किया गया। फलतः मानव जाति को अपनी पिछड़ी हुई, अभावग्रस्त एवं विपन्न स्थिति से छुटकारा मिला। अन्न, वस्त्र निवास और शिक्षा की आरंभिक आवश्यकताएं पूरी होने पर प्रगति के अन्यान्य मार्ग खुले। मनुष्य जीवन की गरिमा दो पहिये के रथ पर चढ़कर गतिशील होती है। एक पहिया है आत्म निर्माण, दूसरा लोक-निर्माण। यही दो लक्ष्य भारतीय संस्कृति के दो अविछिन्न अंग रहे हैं। गुण, कर्म, स्वभाव की दृष्टि से इस देश के निवासी निरंतर प्रयत्नशील रहे कि उनका व्यक्तित्व सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों से परिपूर्ण हो। उसे आदर्श और अनुकरणीय माना जाए। यहीं थी उन दिनों व्यक्तिगत जीवन की आध्यात्मिक महात्वाकांक्षा। भौतिक दृष्टि से हर व्यक्ति समुन्नत, सुव्यवस्थित और साधन संपन्न जीवन जीता था और उत्कृष्ट चिंतन और आदर्श कर्त्तव्य हर किसी के लिए प्रगति का मापदण्ड बना हुआ था। भारतीय जीवन का दूसरा लक्ष्य था- लोक निर्माण। वह मनुष्य क्या जो अपनी उपलब्धियों से केवल अपने शरीर और परिवार को ही लाभान्वित करे. पीड़ा और पतन के गर्त से गिरे हुए- पिछड़े हुए और असमर्थ लोग जिससे कुछ भी प्रकाश एवं सहयोग प्राप्त न कर सके. उन दिनों यही लोक मान्यता थी कि हर समुन्नत व्यक्ति को अपनी सम्पत्ति एवं विभूतियों को एक बड़ा भाग समाज की उन्नति में-सुख शांति की अभिवृद्धि में लगाना चाहिए. आत्मोष्कर्ष की तरह लोक कल्याण भी मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए. प्राचीन काल में प्रत्येक भारतवासी की वैसी मान्यता, निष्ठा और रीति-नीति थी।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

एसआईआर, सॉफ्टवेयर और सवालों के घेरे में चुनावी पारदर्शिता

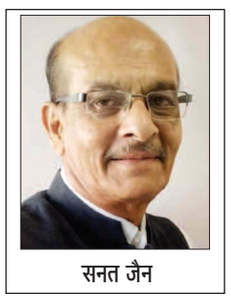

सनत जैन

लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष और विश्वसनीय चुनावी प्रक्रिया पर टिकी होती है। इस प्रक्रिया की पहली और सबसे महत्वपूर्ण कड़ी मतदाता सूची है, क्योंकि यदि मतदाता सूची ही विवादित हो जाए, तो चुनाव की वैधता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग द्वारा कराए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजनझ्र एसआईआर) को लेकर चुनाव कार्य में लगे प्रशासनिक अधिकारियों की आपत्ति ने एक बार फिर चुनाव आयोग को लेकर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है। पश्चिम बंगाल सिविल सर्विस ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखा गया पत्र साधारण प्रशासनिक शिकायत नहीं है, बल्कि यह चुनावी व्यवस्था के भीतर बढ़ते केंद्रीकरण और तकनीक-आधारित प्रक्रिया एवं निष्पक्षता पर गंभीर चेतावनी है। अधिकारियों का कहना है कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने का अधिकार निर्वाचन कानूनों के अनुसार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास होता है, लेकिन एसआईआर की मौजूदा प्रक्रिया में वैधानिक भूमिका को चुनाव आयोग ने अवैध रूप से सीमित कर दिया है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि केंद्रीय चुनाव आयोग के एक केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर सिस्टम के माध्यम से सीधे वोटर के नोटिस जनरेट किए जा रहे हैं। कई ईआरओ के लॉग-इन पर पहले से तैयार नोटिस दिखाई दे रहे हैं, जिससे यह तय करने की स्वतंत्रता ईआरओ की समाप्त हो गई है। किस मामले में नोटिस जारी किया जाए और किसमें सुनवाई आवश्यक है। इस प्रक्रिया को केन्द्रीय चुनाव ने हस्तगत कर लिया है। यह स्थिति केवल प्रशासनिक अधिकार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी लोकतांत्रिक परिणाम हो सकते हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से हटाए जाते हैं, तो आम जनता का रोष सीधे बीएलओ और ईआरओ पर गिरेगा। जबकि वास्तविक निर्णय प्रक्रिया में उनकी भूमिका नाममात्र की तरह रह गई है। इससे स्थानीय अधिकारियों की निष्पक्षता पर सवाल उठने लगे है। चुनाव कार्य में लगे प्रशासन और जनता के बीच अविश्वास की खाई और गहरी हो गई है। एसोसिएशन ने अपने पत्र में ठीक ही कहा है कि एसआईआर जैसी संवेदनशील प्रक्रिया में केन्द्रीयकृत सॉफ्टवेयर आधारित निर्णय खतरनाक हो सकता है। तकनीक प्रक्रिया को सुगम बना सकती है, लेकिन वह मानवीय विवेक, सामाजिक संदर्भ मतदाता के अधिकार और जमीनी सच्चाई का विकल्प नहीं माना जाएगा। मतदाता सूची से किसी का नाम हटाना केवल एक तकनीकी कार्रवाई नहीं, बल्कि नागरिक के संवैधानिक अधिकार को प्रभावित करने वाला निर्णय है। ऐसे में पारदर्शी सुनवाई और स्थानीय स्तर पर जांच के बाद ही कार्यवाही होनी चाहिए।

इस पत्र के सामने आने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दल इसे मतदाता सूची में संभावित हेरफेर से जोड़कर देख रहे हैं। विपक्षी दल चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल उठा रहे हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग की चुप्पी इस संदेह को और मजबूत बनाती है। चुनाव आयोग की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए निष्पक्ष होना और निष्पक्ष दिखाई देना भी उतना ही जरूरी है। केन्द्रीय चुनाव आयोग द्वारा चुनावी प्रक्रियाओं का विभिन्न साफ्टवेयर के माध्यम से केंद्रीकरण, संघीय ढांचे और स्थानीय प्रशासन की भूमिका को कमजोर कर रहा है? भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां सामाजिक और भौगोलिक परिस्थितियां क्षेत्र-दर-क्षेत्र भिन्न हैं, वहां स्थानीय अधिकारियों की भूमिका को दरकिनार करना व्यावहारिक नहीं है। केन्द्रीय चुनाव आयोग गैरकानूनी काम कर रहा है। चुनाव आयोग को चाहिए कि वह एसोसियेशन द्वारा की गई आपत्ति को राजनीतिक शोर मानकर नजरअंदाज न करे। ईआरओ को उनकी वैधानिक शक्तियां लौटाना किसी भी मतदाता के नाम का डिलीशन से पहले अनिवार्य सुनवाई सुनिश्चित करना और सॉफ्टवेयर को सहायक उपकरण के रूप में मान्य करना ही निष्पक्ष चुनाव की गारंटी है। मतदाता सूची की शुद्धता, मताधिकार तथा चुनावों की निष्पक्षता किसी एक संस्था की नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार और लोकतंत्र की जिम्मेदारी है। यदि प्रशासनिक अधिकारी ही प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाने लगें, तो उसे चेतावनी की खतरे की घंटी समझा जाना चाहिए। एसआईआर का उद्देश्य वास्तव में लोकतंत्र को मजबूत करना है, तो उसे विश्वास, पारदर्शिता और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ लागू करना ही होगा। पिछले कुछ वर्षों से चुनाव आयोग डिजिटल उपकरणों, सॉफ्टवेयर तथा हार्डवेयर का उपयोग बड़े पैमाने पर कर रहा है।

मतदाता सूची बनाने, मतगणना के परिणाम एवं अन्य कार्य केन्द्रीय चुनाव आयोग कर रहा है। सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों के बारे में चुनाव आयोग राजनैतिक दलों एवं मतदाताओं को विश्वास में नहीं ले रहा है। केन्द्रीय चुनाव आयोग हर मामले में चुप्पी साध लेता है। जिस कार्य के अधिकार जिले के अधिकारियों के पास है, उन्हें बाय-पास करके उनके अधिकार केन्द्रीय चुनाव आयोग के अधिकारी अवैधानिक रूप से उपयोग कर रहे हैं। यह एक अपराध है। प्रशासनिक अधिकारियों एवं राज्य सरकारों को भी सजग रहने की जरूरत है। वहीं मतदाता के संवैधानिक अधिकार खत्म हो रहे हैं। ऐसी दशा में मतदाता को अपने अधिकार के लिए सड़कों पर आना होगा। चुनाव आयोग की चुप्पी यह साबित करती है, वह अब निष्पक्ष नहीं, बल्कि पक्षपाती के रूप में कार्य कर रही है। चुनाव आयोग को गंभीरता से विचार करना होगा।

पाश्चत्य कल्चर छोड़ थाली में लौटती परंपरा, मोटे अनाज से आधुनिक रोगों तक का समाधान

कांतिलाल मांडोत

आधुनिकता की तेज रफ्तार भागदौड़ भरी जिंदगी और पाश्चात्य खान-पान की नकल ने बीते कुछ दशकों में भारतीय समाज की भोजन परंपरा को गहराई से प्रभावित किया है। फास्ट फूड, रिफाइंड आटा, अत्यधिक चीनी और वसा से भरपूर भोजन ने स्वाद तो बदला, लेकिन इसके साथ-साथ शरीर को कई ऐसी बीमारियों की सौगात भी दे दी, जिनका नाम पहले गांव-कस्बों में शायद ही सुनाई देता था। डायबिटीज, मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और पाचन संबंधी समस्याएं आज आम जीवन का हिस्सा बन चुकी हैं। इसी पृष्ठभूमि में अब एक सुखद बदलाव दिखाई दे रहा है।लोग अपनी थाली में फिर से मोटे अनाज को जगह देने लगे हैं। यह बदलाव केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि सेहत, संस्कृति और आत्मनिर्भरता की ओर लौटने का संकेत है।

कुछ दशक पहले तक मोटे अनाज भारतीय रसोई का स्वाभाविक हिस्सा थे। बाजरा, ज्वार, रागी, कंगनी, मक्का और कोदो जैसे अनाज केवल भोजन नहीं थे, बल्कि जीवनशैली का हिस्सा थे। ग्रामीण समाज में मेहनत-मजदूरी करने वाले लोग इन्हीं अनाजों से ऊर्जा प्राप्त करते थे और दिनभर काम करने के बावजूद थकान कम महसूस होती थी। उस समय डायबिटीज या कोलेस्ट्रॉल जैसे शब्द आम बातचीत में नहीं आते थे। पुराने लोग भले ही पोषण के वैज्ञानिक शब्दों से परिचित न हों, लेकिन अनुभव से जानते थे कि कौन-सा अनाज शरीर को ताकत देता है और कौन-सा भोजन मौसम के अनुकूल है। उनकी पसंद में स्वाद से अधिक महत्व तृप्ति और स्वास्थ्य का होता था।

समय बदला तो पसंद भी बदली। शहरीकरण, मशीनों पर निर्भरता और विज्ञापन आधारित संस्कृति ने भोजन को सुविधा और स्वाद तक सीमित कर दिया। सफेद आटा, पॉलिश किया हुआ चावल और पैकेटबंद खाद्य पदार्थ प्रतिष्ठा और आधुनिकता का प्रतीक बन गए। मोटे अनाज, जिन्हें कभी गरीबों का भोजन कहा गया, धीरे-धीरे रसोई से बाहर होते चले गए। नई पीढ़ी की पसंद में पिज्जा, बर्गर और नूडल्स शामिल हो गए, जबकि बाजरे की रोटी या ज्वार की भाखरी पिछड़ेपन की निशानी मानी जाने लगी। यही वह दौर था जब शरीर में असंतुलन बढ़ा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलने लगीं।

आज स्थिति एक बार फिर करवट ले रही है। जब दवाइयों पर बढ़ता खर्च और लगातार बिगड़ती सेहत चिंता का कारण बनी, तब लोगों ने अपने भोजन पर पुनर्विचार करना शुरू किया। विशेषज्ञों और डॉक्टरों की सलाह, शोध रिपोर्ट्स और पारंपरिक ज्ञान के पुनर्मूल्यांकन ने मोटे अनाज को फिर से चर्चा के केंद्र में ला दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान के बाद मोटे अनाज को वैश्विक मंच मिला और 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' जैसी पहल ने इसे नई पहचान दी। इसका प्रभाव यह हुआ कि जो अनाज कभी गांवों तक सीमित थे, वे अब शहरी हाई-मार्ट और सुपरमार्केट की शेल्फ पर भी सम्मान के साथ नजर आने लगे हैं।

स्वास्थ्य के नजरिए से देखें तो मोटे अनाज किसी वरदान से कम नहीं हैं। इनमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर रहती है और पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस करता है। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होने के कारण रक्त में शर्करा धीरे-धीरे बढ़ती है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को विशेष लाभ मिलता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति नियमित रूप से मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करता है, तो उसे दवाइयों की आवश्यकता भी कम हो सकती है। जेएलएन मेडिकल कॉलेज, अजमेर के मेडिसिन विभाग से जुड़े डॉ. पवन कुमावत का मानना है कि मोटे अनाज का धीमा पाचन शरीर में ऊर्जा को संतुलित रूप से रिलीज करता है, जिससे अचानक भूख लगने की समस्या कम होती है और वजन नियंत्रण में रहता है।

पुराने लोगों की पसंद और आज की पीढ़ी की पसंद में यही मूल अंतर दिखाई देता है। पहले भोजन का उद्देश्य शरीर को पोषण देना और काम करने की शक्ति प्रदान करना था, जबकि आज भोजन अक्सर स्वाद, त्वरित उपलब्धता और दिखावे से जुड़ गया है। हालांकि अब नई पीढ़ी में भी एक वर्ग ऐसा है, जो अपने पूर्वजों की समझ को फिर से अपनाने लगा है। वे यह समझने लगे हैं कि असली आधुनिकता वही है, जो शरीर और प्रकृति दोनों के साथ संतुलन बनाए। योग, ऑर्गेनिक खेती और देसी खान-पान की ओर बढ़ता रुझान इसी सोच का परिणाम है।

मोटे अनाज केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह किसानों और पर्यावरण के लिए भी लाभकारी हैं। ये फसलें कम पानी में उग जाती हैं और कठिन जलवायु परिस्थितियों में भी अच्छी पैदावार देती हैं। राजस्थान जैसे शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए यह अनाज सदियों से जीवनरेखा रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान मिलेट्स प्रोत्साहन मिशन के तहत किसानों को मुफ्त बीज किट उपलब्ध कराना इस दिशा में एक सकारात्मक कदम है। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर पोषण सुरक्षा भी मजबूत होगी।

बाजार में आए बदलाव ने भी मोटे अनाज को अपनाना आसान बना दिया है। पहले इन्हें साफ करने और पीसने में काफी मेहनत लगती थी, जिससे शहरी और कामकाजी लोग इससे दूरी बनाए रखते थे। अब चक्कियों और प्रोसेसिंग यूनिट्स में तैयार आटा आसानी से उपलब्ध है। लोग अपनी आवश्यकता के अनुसार मात्रा तय कर सकते हैं और बिना अतिरिक्त झंझट के इसे दैनिक आहार में शामिल कर सकते हैं। यही सुविधा आज की जीवनशैली के साथ परंपरा का सेतु बन रही है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि मोटे अनाज हृदय रोगों के जोखिम को कम करते हैं। इनमें मौजूद मैग्नीशियम, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट तत्व रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। महिलाओं और बच्चों के लिए यह पोषण का सशक्त स्रोत हैं, क्योंकि इनमें कैल्शियम और प्रोटीन पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। रागी जैसे अनाज हड्डियों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो आज के समय में एक बड़ी जरूरत बन चुकी है।

आज की पीढ़ी की पसंद में जो बदलाव दिख रहा है, वह केवल मजबूरी नहीं बल्कि समझ का परिणाम है। लोग यह महसूस करने लगे हैं कि महंगे सुपरफूड्स की तलाश में विदेशों की ओर देखने से बेहतर है कि अपनी मिट्टी में उगे अनाज को अपनाया जाए। यह आत्मनिर्भर भारत की सोच के भी अनुरूप है। जब हम अपने पारंपरिक भोजन को अपनाते हैं, तो न केवल अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं, बल्कि स्थानीय किसानों, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को भी मजबूती देते हैं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि मोटे अनाज की वापसी अतीत की ओर लौटना नहीं, बल्कि भविष्य की ओर एक समझदारी भरा कदम है। पुराने लोगों की पसंद अनुभव से उपजी थी और आज की पीढ़ी की पसंद ज्ञान और शोध से आकार ले रही है। जब दोनों का संगम होता है, तो एक ऐसी जीवनशैली सामने आती है जो स्वाद, सेहत और संतुलन तीनों को साथ लेकर चलती है। थाली में मोटे अनाज की मौजूदगी केवल भोजन का विकल्प नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज की पहचान बन सकती है।

युद्ध, संघर्ष, सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट और अस्थिरता से साल भर जूझती रही दुनिया

साल 2025 वैश्विक राजनीति के इतिहास में एक ऐसे वर्ष के रूप में दर्ज हुआ, जिसने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब स्थिरता की ओर नहीं, बल्कि अस्थिरता, टकराव और सत्ता संघर्ष की ओर तेजी से बढ़ रही है। यह साल लोकतंत्र और तानाशाही, शांति और युद्ध, संवाद और टकराव के बीच की रेखाओं को और धुंधला कर गया। कहीं चुनावों के जरिए सरकारें बदलीं, कहीं बंदूकों की नली से सत्ता हथियाई गई, तो कहीं युद्ध और सीमित संघर्षों ने मानवता को एक बार फिर कठघरे में खड़ा कर दिया।

2025 की शुरूआत ही एक बड़े झटके के साथ हुई, जब डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में दोबारा कार्यभार संभाला। उनकी वापसी केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ा। ट्रंप का दूसरा कार्यकाल पहले से कहीं अधिक आक्रामक, राष्ट्रवादी और टकरावपूर्ण नजर आया। उनकी नीतियों ने वैश्विक व्यापार, सुरक्षा गठबंधनों और कूटनीतिक संतुलन को झकझोर दिया। अमेरिका की विदेश नीति फिर से ह्लअमेरिका फर्स्टह्ल की राह पर लौटती दिखी, जिससे यूरोप से लेकर एशिया तक सहयोगी देशों में असहजता बढ़ी। ट्रंप की शैली ने मित्र देशों को भी यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या अमेरिका अब भरोसेमंद साझेदार रह गया है।

इसके अलावा, 2025 में कई देशों में नई सरकारों का गठन हुआ। कुछ देशों में यह सत्ता परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम था, तो कुछ जगहों पर राजनीतिक अस्थिरता की देन। अफ्रीका, यूरोप और प्रशांत क्षेत्र के कई छोटे-बड़े देशों में चुनावों के बाद नए नेतृत्व सामने आए। इन सत्ता परिवर्तनों ने यह दिखाया कि लोकतंत्र अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट हुआ कि लोकतांत्रिक संस्थाएं दबाव में हैं। कई देशों में कमजोर जनादेश, बिखरी संसद और अस्थिर गठबंधन सरकारों ने शासन को चुनौतीपूर्ण बना दिया।

हम आपको बता दें कि जहाँ कुछ देशों ने चुनावों का रास्ता चुना, वहीं 2025 तख्तापलटों का भी गवाह बना। अफ्रीका के कुछ हिस्सों में सेना ने लोकतांत्रिक सरकारों को हटाकर सत्ता अपने हाथ में ले ली। सत्ता परिवर्तन की यह प्रवृत्ति खासतौर पर उन क्षेत्रों में दिखी, जहाँ पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता, गरीबी और आतंकवाद मौजूद था। सेना द्वारा कई देशों में सत्ता पर कब्जा यह संकेत देता है कि कई देशों में लोकतंत्र अभी भी जड़ें नहीं जमा पाया है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद तख्तापलटों का सिलसिला यह सवाल खड़ा करता है कि क्या वैश्विक व्यवस्था वास्तव में लोकतंत्र की रक्षा करने में सक्षम है?

इसके अलावा, साल 2025 में दक्षिण एशिया की उथल-पुथल की कहानी में नेपाल एक अहम उदाहरण बनकर सामने आया, जहाँ सत्ता परिवर्तन की पटकथा किसी राजनीतिक दल ने नहीं, बल्कि जेन-जी आंदोलन ने लिखी। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महंगाई और अवसरों की कमी से त्रस्त युवा पीढ़ी ने सड़कों पर उतरकर पारंपरिक राजनीति को सीधी चुनौती दी। सोशल मीडिया से शुरू हुआ यह आंदोलन देखते-ही-देखते जनआक्रोश में बदल गया, जिसने सरकार की नींव हिला दी। प्रदर्शन इतने व्यापक और उग्र हुए कि सत्ता प्रतिष्ठान को झुकना पड़ा और अंततः सरकार गिर गई। नेपाल का यह घटनाक्रम इस बात का संकेत बना कि अब सत्ता परिवर्तन केवल संसद या बंदूक से नहीं, बल्कि डिजिटल पीढ़ी की संगठित आवाज से भी संभव है। यह आंदोलन केवल सरकार विरोधी नहीं था, बल्कि दशकों से जमी हुई राजनीतिक जड़ता और वंशवादी राजनीति के खिलाफ खुला विद्रोह था, जिसने पूरे क्षेत्र को यह चेतावनी दी कि युवा पीढ़ी को नजरअंदाज करना अब सत्ता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका है।

इसके अलावा, साल 2025 को यदि किसी एक शब्द में समेटा जाए तो वह शब्द है संघर्ष। यह वर्ष दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में सुलगती सीमाओं, टूटते समझौतों और बढ़ते सैन्य टकरावों का गवाह बना। दक्षिण एशिया से लेकर मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया तक, शांति केवल कागजों में सिमट कर रह गई। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव और तनाव पूरे साल बना रहा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद शुरू हुए ऑपरेशन सिंदूर ने यह स्पष्ट कर दिया कि दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच कितनी नाजुक स्थिति है। वहीं पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा संघर्ष ने क्षेत्रीय अस्थिरता को और गहरा किया, जहाँ आतंकवाद, शरणार्थी संकट और सैन्य झड़पें एक-दूसरे में घुलती रहीं।

साथ ही दक्षिण-पूर्व एशिया में दुनिया ने एक अप्रत्याशित मोर्चा खुलते देखा, जब थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमित युद्ध छिड़ गया। यह संघर्ष इस बात का संकेत था कि क्षेत्रीय विवाद, जो वर्षों से दबे हुए थे, अब खुलकर हिंसक रूप लेने लगे हैं। वहीं मध्य-पूर्व में इजराइल और हमास के बीच संघर्ष ने भयावह मानवीय संकट को जन्म दिया। गाजा पट्टी युद्धभूमि में तब्दील होती रही, जहाँ हवाई हमले, रॉकेट फायरिंग और जमीनी कार्रवाई ने हजारों निर्दोष लोगों की जान ली। यह संघर्ष केवल क्षेत्रीय नहीं रहा, बल्कि वैश्विक राजनीति और कूटनीति को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता रहा।

इसके अलावा, मध्य-पूर्व में तनाव और गहरा हुआ। ईरान और इजराइल के बीच प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। मिसाइल हमले, हवाई हमले और सैन्य चेतावनियों ने यह साफ कर दिया कि एक चिंगारी पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकती है।

इसके अलावा, यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध 2025 में भी थमता नजर नहीं आया। यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यूरोप की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसका सीधा असर पड़ा। साथ ही अफ्रीका के सैहेल क्षेत्र में चरमपंथी हिंसा और गृहयुद्ध जैसी स्थितियां बनी रहीं, जहाँ आम नागरिक सबसे बड़े शिकार बने।

इसी तरह बांग्लादेश में आंतरिक राजनीतिक संघर्ष और हिंसा ने यह दिखा दिया कि लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर पनपने वाले टकराव भी किस तरह देश को अस्थिर कर सकते हैं। विरोध-प्रदर्शन, राजनीतिक टकराव और अल्पसंख्यकों के साथ बर्बरता ने सामाजिक ताने-बाने को कमजोर किया।

देखा जाये तो इन सभी संघर्षों ने 2025 में यह साफ कर दिया कि दुनिया किसी एक महायुद्ध की ओर नहीं, बल्कि एक साथ कई छोटे-छोटे युद्धों और स्थायी अस्थिरता की ओर बढ़ रही है। यह वह दौर है जहाँ सीमाएं बारूद बन चुकी हैं और शांति सिर्फ भाषणों तक सिमट गई है।

इसके अलावा, जहाँ दुनिया संघर्ष और अस्थिरता से जूझ रही थी, वहीं डोनाल्ड ट्रंप 2025 के सबसे चर्चित नेताओं में से एक बने रहे। हालांकि उनकी लोकप्रियता सर्वसम्मत नहीं थी। एक ओर उनके समर्थक उन्हें मजबूत, निर्णायक और राष्ट्रवादी नेता मानते रहे, वहीं दूसरी ओर आलोचक उन्हें विभाजनकारी और संस्थाओं को कमजोर करने वाला नेता बताते रहे। ट्रंप की लोकप्रियता दरअसल इस बात का प्रतीक बनी कि दुनिया भर में राजनीति अब सहमति नहीं, बल्कि ध्रुवीकरण से चल रही है।

बहरहाल, 2025 ने यह साफ कर दिया कि दुनिया अब पुराने संतुलन की ओर नहीं लौटने वाली। सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट, युद्ध और वैचारिक टकराव आने वाले वर्षों की भूमिका लिख चुके हैं। यह साल इस सच्चाई का आईना बन गया कि शांति अब अपवाद बनती जा रही है और संघर्ष नई सामान्य स्थिति। यदि वैश्विक नेतृत्व ने समय रहते संवाद, कूटनीति और सहयोग का रास्ता नहीं चुना, तो 2025 आने वाले बड़े संकटों की शुरूआत साबित होगा।

"ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत 51 सीसीटीवी कैमरों की स्थापना, पुलिस द्वारा नागरिक सहभागिता का किया गया उत्साहवर्धन

अमरोहा (सब का सपना):- ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत जनपद में पुलिस अधीक्षक की मेहनत रंग ला रही है जिसके अंतर्गत ग्रामीणों के सहयोग से गांव में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं जिससे कि गांव में आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जा सके। वही कैमरे लगने से क्राइम में भी कमी आएगी। काफी जगह देखा गया है कि सीसीटीवी कैमरे की मदद से क्राइम करने वालों को पुलिस के द्वारा तुरंत पकड़ लिया जाता है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर अभिषेक कुमार यादव एवं प्रभारी निरीक्षक थाना डिडौली हरीशवर्धन सिंह के नेतृत्व में थाना डिडौली क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया गया।अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कर संभावित घटनाओं को घटित होने से पूर्व ही रोकना है। सीसीटीवी निगरानी से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियों पर सतत नजर रखी जा सकती है, जिससे बाहरी अथवा असामाजिक तत्वों द्वारा किसी घटना को अंजाम देने की संभावना न्यूनतम हो सके। इसी क्रम में डिडौली पुलिस की अपील पर जोया ब्लॉक के ग्राम कनपुरा में ग्राम प्रधान मुत्तलिब एवं आमिर के सहयोग से ग्रामीणों द्वारा कुल 51 सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए गए। ये कैमरे गांव में आने-जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों एवं गांव के मुख्य चौराहों पर लगाए गए हैं, जिससे पूरे ग्राम क्षेत्र की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। ज्ञात रहे कि है कि इससे पूर्व भी डिडौली पुलिस द्वारा जीवाई, कस्बा जोया, श्योनाली, भीखनपुर मुंडा, कपासी सहित अन्य ग्रामों में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराए जा चुके हैं, जो अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। स्थानीय नागरिकों द्वारा इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए प्रभारी निरीक्षक थाना डिडौली हरीशवर्धन सिंह द्वारा सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले नागरिकों को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनका उत्साहवर्धन किया गया। साथ ही आमजन से अपील की गई कि गांवों के मुख्य चौराहों तथा गांव में आने-जाने वाले मार्गों पर सीसीटीवी कैमरों की स्थापना अत्यंत आवश्यक है, जिससे क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके और किसी भी आपराधिक गतिविधि पर समय रहते नियंत्रण किया जा सके।

गजरौला में दो पक्षों में चलें लाठी डंडे,चार पर केस दर्ज,घटना सीसीटीवी में कैद

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली में दो पक्षों के बीच मामूली कहासुनी पर जमकर लाठी डंडे चल गए। इस दौरान दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। जिसका वीडियो वहीं पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है और मामले की जांच कर रही है। बता दें कि जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार की बताई जा रही है, जहां नगर कोतवाली के मोहल्ला जलाल नगर में मामूली कहासुनी पर दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। मिली जानकारी के अनुसार पीड़ित शाकिर अली ने आरोप लगाया है कि आसिफ ,समीर ,दानिश और आशु ने उनके साथ मारपीट की है। मारपीट का लाइव वीडियो वहीं घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी के साथ वायरल हो रहा है। पुलिस ने शाकिर अली की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है, इस मामले में थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है जिसमें चार लोगों पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है और जांच की जा रही है।

दरोगा पर अभद्र व्यवहार और अवैध वसूली का आरोप, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

रहरा/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना रहरा क्षेत्र में तैनात दरोगा परशुराम पर एक युवक के साथ अभद्र व्यवहार करने और अवैध रूप से 500 रुपये की उगाही करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ित युवक संजीव कुमार ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र सौंपकर मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित संजीव कुमार ने अपने प्रार्थना पत्र में बताया कि 27 दिसंबर की दोपहर वह अपनी मोटरसाइकिल पर दढ़ीयाल गांव से दूल्हेपुर अहीर जा रहे थे। चचोरा मोड़ पर दरोगा परशुराम अपने साथियों के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे। उन्होंने संजीव को रुकने का इशारा किया। मोटरसाइकिल रोकते ही दरोगा परशुराम ने धमकी भरे लहजे में कहा, एक चांटा मार दिया तो तेरा मुंह घूम जाएगा। जब संजीव ने पूछा कि मामला क्या है, तो दरोगा ने 5000 रुपये का चालान काटने की बात कही। अंत में संजीव ने 500 रुपये नकद देकर जान छुड़ाई और वहां से चले गए। पीड़ित ने एसपी से गुहार लगाते हुए कहा कि दरोगा परशुराम ने न केवल अभद्र व्यवहार किया, बल्कि बिना किसी वैध कारण के अवैध वसूली भी की। उन्होंने मामले की गहन जांच कराकर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर, इस मामले में रहरा थाने से संपर्क करने पर थाना प्रभारी ने अलग दावा किया। उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। चेकिंग के दौरान दरोगा परशुराम ने एक डॉक्टर साहब को रुकने का इशारा किया था। डॉक्टर ने बाइक दरोगा के पास लाकर रोकी, जिस पर दरोगा ने कहा, मेरे ऊपर चढ़ाओगे क्या होमगार्ड ने बीचबचाव कर बताया कि ये डॉक्टर साहब हैं, तो उन्हें बिना चालान काटे जाने दिया गया।

थाना प्रभारी ने किसी अवैध वसूली की बात से इनकार किया। अब देखना यह होगा कि पुलिस अधीक्षक इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करते हैं। क्या दरोगा परशुराम के खिलाफ जांच होगी या मामला यूं ही दब जाएगा जिले में पुलिस की ऐसी शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं, जिससे खाकी की छवि पर सवाल उठते हैं।

गजरौला में बस को रोककर तोड़फोड़ करने व यात्रियों से मारपीट करने के मामले में 4 गिरफ्तार

कान पड़कर और हाथ जोड़कर माफी मांगते नजर आए आरोपी

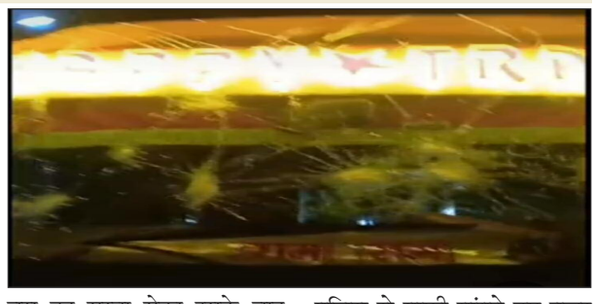

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 पर बस को फिल्मी अंदाज में रोक कर उसमें तोड़फोड़ करने और यात्रियों से मारपीट करने के मामले में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद चारों बदमाश थाने से लंगड़ाते हुए बाहर निकलते हुए नजर आए। बता दें कि पूरा मामला गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे 9 का है ,जहां पर शनिवार की देर रात दिल्ली से सीतापुर जा रही एक निजी बस को कार सवार चार बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में रोककर पहले तो उसमें तोड़फोड़ की उसके बाद उन्होंने बस में सवार यात्रियों के साथ भी मारपीट की आरोप है कि शाहनवाज वकील अजीम और शहाबुद्दीन ने अपनी बोलेरो गाड़ी से बस का रास्ता रोका इसके बाद आरोपियों ने बस में चढ़कर तोड़फोड़ की और लाठी डंडों से यात्रियों के साथ मारपीट की जिससे बस में सवार यात्रियों में अपरा तफरी मच गई ।घटना की सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंच गई और चारों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गिरफ्तारी के बाद आरोपी हाथ जोड़ते हुए और कान पड़कर पुलिस से माफी मांगते हुए नजर आए इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया ने बताया कि गजरौला पुलिस ने बस में तोड़फोड़ और यात्रियों से मारपीट करने के आरोप में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है सभी आरोपियों को जनपद न्यायालय में पेश कर दिया गया है और इस मामले में आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी की अभिभावकों से विशेष अपील बोर्ड परीक्षा में बच्चों का मनोबल बढ़ाएं, खान-पान व नींद का रखें विशेष ध्यान

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनपद में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा-2026 में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के नाम एक विशेष अपील पत्र जारी किया है। पत्र में अभिभावकों से आग्रह किया गया है कि परीक्षा शुरू होने में लगभग 50 दिन शेष हैं, इस महत्वपूर्ण समय में बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें, उन्हें नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित करें तथा स्वास्थ्य, समय प्रबंधन और मानसिक तनाव के प्रति सचेत रहते हुए पूरा सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि आपकी सक्रिय भागीदारी ही हमारे छात्र/छात्राओ के भविष्य को उज्ज्वल बनाएगी। जनपद के विद्यार्थियो के परीक्षा परिणाम को और अधिक बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन आप सभी से सहयोग की अपेक्षा करता है। जिलाधिकारी ने कहा है कि बोर्ड परीक्षाएं 18 फरवरी 2026 से शुरू हो रही हैं। जनपद अमरोहा में 68 परीक्षा केंद्रों पर हाईस्कूल के 28,583 एवं इंटरमीडियट के 24,694, कुल 51,277 छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। ये परीक्षाएं विद्यार्थियों के शैक्षिक भविष्य की दिशा निर्धारित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। परीक्षा परिणामों में निरंतर सुधार सरकार की प्राथमिकता है और जिला प्रशासन इसके लिए विशेष प्रयास कर रहा है, लेकिन इसमें अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। अभिभावकों से जिलाधिकारी की अपील कि अपने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजें एवं उनकी उपस्थिति पर विशेष ध्यान दें। मोबाइल फोन, टीवी एवं सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चों को दूर रखने में सहयोग करें। शिक्षकों द्वारा दिए गए गृहकार्य एवं अध्ययन संबंधी सुझावों का पालन सुनिश्चित कराएं। अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों या उनके अंकों से न करें। उन्हें महसूस कराएं कि आपके लिए उनका प्रयास उनके परिणामों से अधिक महत्वपूर्ण है। घर में सकारात्मक और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखें, ताकि बच्चे बिना किसी दबाव के पढ़ाई कर सकें। परीक्षाओं के दौरान बच्चे अक्सर दबाव महसूस करते हैं। उनसे नियमित संवाद करें, उनकी बात सुनें और उन्हें प्रोत्साहित करें। बच्चों के खान-पान और पर्याप्त नींद का विशेष ध्यान रखें क्योंकि स्वस्थ शरीर से ही एकाग्रता बढ़ती है। लगातार पढ़ने के बजाय उन्हें छोटे ब्रेक लेने के लिए प्रेरित करें। बच्चों का मनोबल बढ़ाएं और उन्हें यह एहसास कराएं कि परीक्षा जीवन का केवल एक हिस्सा है, न कि अंतिम परिणाम। अफवाहों से बचें, सोशल मीडिया पर पेपर लीक या फर्जी सूचनाओं से सावधान रहें और केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करें। बच्चों को ईमानदारी से परीक्षा देने के लिए प्रेरित करें। उन्हें बताएं कि मेहनत से अर्जित सफलता ही स्थायी होती है। जिलाधिकारी ने आगे कहा कि जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग जनपद में नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कृतसंकल्प है। अभिभावक, शिक्षक एवं प्रशासन मिलकर समन्वित रूप से कार्य करें तो निश्चित रूप से जनपद अमरोहा के बोर्ड परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट होंगे। सभी के संयुक्त प्रयासों से विद्यार्थी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा में उच्चतम सफलता प्राप्त करेंगे। पत्र के अंत में जिलाधिकारी ने अभिभावकों से इस पुनीत कार्य में सक्रिय सहभागिता की अपेक्षा करते हुए बच्चों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

बैंक सखियों को आई कार्ड वितरित, ग्रामीण आजीविका मिशन को मिली मजबूती

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) के तहत ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, जिले के विकास भवन सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अश्वनी कुमार मिश्र ने बैंक सखियों को पहचान पत्र (आई कार्ड) वितरित किए। कार्यक्रम में जिला परियोजना अधिकारी, उपायुक्त रोजगार, NRLM स्टाफ तथा बैंक सखियां बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।बैंक सखियां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों (SHG) की महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। वे समूहों के बैंक खाते खुलवाने, ऋण सुविधा प्रदान करने तथा वित्तीय समावेशन में सहायता करती हैं। सीडीओ ने बैंक सखियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की और उनके योगदान की सराहना की। साथ ही, बैंक सखियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का संज्ञान लेते हुए, संबंधित बैंक शाखा प्रबंधकों को तत्काल सीसीएल (कैश क्रेडिट लिमिट) फाइलों तथा समूह खातों से जुड़ी पत्रावलियों के निस्तारण के निर्देश दिए।कार्यक्रम में शासन द्वारा निर्धारित समूह गठन के तीन गुना लक्ष्य की प्राप्ति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैंक सखियों की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए, समूह गठन तथा उनके बैंक खाते खुलवाने में उनकी सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया गया। सीडीओ ने निर्देश दिए कि 31 दिसंबर 2026 तक सभी बैंक सखियां अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों में पात्र परिवारों से संपर्क स्थापित करेंगी और उन्हें उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की योजनाओं तथा इससे मिलने वाले लाभों के बारे में जागरूक करेंगी।यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने तथा वित्तीय सेवाओं तक उनकी पहुंच बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। बैंक सखी मॉडल NRLM के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में डोर-टू-डोर बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से जिले में मिशन के लक्ष्यों को गति मिलने की उम्मीद है।

ऑपरेशन क्लीन 2 के अन्तर्गत थाना गजरौला में की गई कुल 24 दोपहिया वाहनों की निलामी

अमरोहा पुलिस द्वारा अब तक कुल 333 वाहनों की नीलामी कर 47 लाख 31 हजार 384 रुपये का किया गया राजस्व प्राप्त

अमरोहा (सब का सपना):- थाना परिसर व परिसर के बाहर बेतरतीब तथा बेहिसाब संख्या में दो पहिया व चार पहिया वाहन खड़े रहते हैं । इन वाहनों से थाने की काफी अधिक भूमि व्यर्थ हो जाती है व दैनिक थाना कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होता है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा जिले के सभी थानों के भ्रमण के दौरान पाया गया था कि थाना परिसर में लम्बे समय से काफी संख्या में लावारिस, मालमुकदमाती व एम0वी0 एक्ट में सीजशुदा वाहन खड़े हैं। जो धूप, गर्मी, बरसात की वजह से जंग लगकर धीरे-धीरे नष्ट हो रहे हैं। जिस कारण से न्यायिक प्रक्रिया में व्यवधान उत्पन्न होता है साथ ही राष्ट्रीय सम्पत्ति की हानि हो रही है। वाहनों के क्षरण के कारण थाना परिसर में रहने व आने-जाने वालो व्यक्तियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव की सम्भावना बनी रहती है। थाना परिसर में लम्बे समय से खड़े वाहनों के सम्बन्ध में समय-समय पर न्यायालय द्वारा निर्देश दिये गये है। उच्चतम न्यायालय में स्पेशल लीव पिटीशन (क्रिमिनल) सं0 2745/2002 सुन्दर भाई अम्बालाल देसाई बनाम गुजरात राज्य में प्रदत्त व्यवस्था के क्रम में थाने में खड़े वाहनों के निस्तारण हेतु अमित कुमार आनन्द, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाने पर खड़े माल मुकदमाती व अन्य वाहनों के निस्तारण हेतु जनपद अमरोहा में 'आपरेशन क्लीन-2' प्रारम्भ किया गया। 'आपरेशन क्लीन-2' के अन्तर्गत सभी थानों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध लक्ष्य दिया गया। सक्षम न्यायालय से आदेश प्राप्त कर 'आपरेशन क्लीन' के अन्तर्गत कार्यवाही प्रचलित है। सोमवार को क्षेत्राधिकारी धनौरा प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार थाना गजरौला, मजिस्ट्रेट राजपाल सिंह नायब तहसीलदार तहसील धनौरा अमरोहा एचएम हे0का0 104 नवेद खाँ थाना गजरौला जकी गठित कमेटी द्वारा थाना गजरौला में लम्बित सीज शुदा (एमवी एक्ट) कुल 24 दोपहिया वाहन वाहनों की नीलामी थाना गजरौला परिसर में विधि सम्मत तरीके से करायी गयी। जिससे कुल नीलामी की धनराशि कुल 81,000/- का राजस्व प्राप्त हुआ। जिसको राजकीय कोषागार में जमा कराया जायेगा।

इससे पहले भी जनपद के थानों में अलग-अलग नीलामी की गई है जिसमें अब तक कुल 333 वाहनों की नीलामी कर ड्ड 47,31,384/-(47 लाख 31 हजार 384 रुपये) राजस्व प्राप्त किया गया है।

ईओ ने पालिका के कर करेत्तर वसूली की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा आज पालिका के कर करेत्तर वसूली की समीक्षा की गयी, जिसके अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य से कम वसूली करने वाले वसूलीकर्ताओ को विशेष प्रतिकूल प्रवीष्टि व चेतावनी देते हुए आगामी 3 माह मे 2 करोड़ वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया। बता दें की शासन स्तर व जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा करो की वसूली लक्ष्य के सापेक्ष किये जाने के निर्देश देते हुए नियमित रूप से वसूली की समीक्षा की जा रही है, जिसके अनुपालन मे पालिका अधिशासी अधिकारी डॉक्टर बृजेश कुमार द्वारा पालिका के राजस्व अनुभाग मे कार्यरत राजस्व निरीक्षकों, कर अमीनो को मासिक वसूली का लक्ष्य निर्धारित करके उसको साप्ताहिक समीक्षा की जाती है। इसी क्रम मे पालिका के उप नगर आयुक्त डॉ. बृजेश कुमार द्वारा कर करेत्तर वसूली की समीक्षा करते हुए दिए गए लक्ष्य से कम वसूली करने वाले कर अमीनो / वसूलीकर्ताओ को विशेष प्रतिकूल प्रवीष्टि देते हुए चेतावनी दी गयी की आगामी माह मे इस माह की अवशेष वसूली एवं आगामी माह मे लक्ष्य के सापेक्ष वसूली करना सुनिश्चित करें, अन्यथा उनके वेतन पर रोक लगाते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही पालिका के विभिन्न मदो के लाइसेन्स वसूली, पालिका परिसंपत्तियों की किराया वसूली भी शत प्रतिशत सुनिश्चित की जाये। समस्त सरकारी भवनो पर लगाए गए करो की वसूली की जाने, अवशेष भवनो पर कर आरोपित कर नोटिस जारी किये जाने के निर्देश भी दिए गए।इसके साथ ही आगामी 03 माह मे 2 करोड़ वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

संभल में मोती खेती के नवाचार के लिए डॉ. अय्यूब हुसैन को किया गया सम्मानित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिले में मोती खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. अय्यूब हुसैन को लगातार सम्मान मिल रहा है। आपको बता दें 23 दिसंबर को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा उन्हें नवाचारपूर्ण मोती खेती के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी संभल डॉ. राजेन्द्र पेंशिया ने अपने कार्यालय कक्ष में डॉ. अय्यूब हुसैन को आमंत्रित कर विशेष रूप से सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि मोती खेती का पहला प्रोजेक्ट उनके दिशा-निर्देशन में जनपद संभल में स्थापित किया गया

था। इसकी सफलता के बाद संभल जिले में कुल 7 प्रोजेक्ट और मुरादाबाद मंडल में 20 प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक स्थापित हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि मोती खेती के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश में संभल जनपद को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। पूर्व में आयोजित किसान सम्मान दिवस के अवसर पर भी डॉ. अय्यूब हुसैन को नवाचार सम्मान से नवाजा जा चुका है। डॉ. हुसैन की इस उपलब्धि का श्रेय मुख्य रूप से जिलाधिकारी संभल डॉ. राजेन्द्र पेंशिया एवं उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी को दिया जा रहा है, जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से यह सफलता संभव हो सकी। यह पहल न केवल किसानों की आय में वृद्धि कर रही है, बल्कि संभल जनपद को कृषि नवाचार के क्षेत्र में एक नई पहचान भी प्रदान कर रही है। जिलाधिकारी ने कहा कि मोती खेती जैसे नवाचारों से किसान आत्मनिर्भर बन रहे हैं और पारंपरिक खेती के साथ-साथ वैकल्पिक आय के स्रोत विकसित हो रहे हैं।

डीएम ने सिंचाई विभाग कॉलोनी का किया निरीक्षण, साफ-सफाई व पार्किंग व्यवस्था के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने सोमवार को बहजोई स्थित कनेटा रोड पर सिंचाई विभाग कॉलोनी परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जिला सूचना कार्यालय, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जिला पूर्ति कार्यालय, खाद्य सुरक्षा विभाग, जिला औषधि विभाग तथा चकबंदी सहित विभिन्न विभागों के कार्यालयों का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि परिसर की साफ-सफाई को प्राथमिकता पर सुनिश्चित किया जाए तथा वाहनों के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था की जाए। साथ ही जल निकासी की समुचित व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने के आदेश दिए गए। डॉ. पैंसिया ने अधिकारियों से कहा कि सरकारी परिसर की स्वच्छता

और व्यवस्था से ही प्रशासनिक कार्यकुशलता झलकती है,

इसलिए इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत आशीष सिंह, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार, अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग राकेश कुमार, सहायक आयुक्त खाद्य (ग्रेड-2) मानवेंद्र सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी राहुल सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी के इस निरीक्षण से विभागीय अधिकारियों में सतर्कता बढ़ गई है और परिसर में तत्काल सुधार कार्य शुरू करने के संकेत मिले हैं।

यातायात पुलिस ने की नेकदिली भरी मिसाल कायम भूली हुई वॉलेट को तुरंत कराया बापस

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के थाना बहजोई क्षेत्र में इस्लामनगर मैन चौराहे पर तैनात यातायात पुलिस ने एक महिला की मदद कर सभी का दिल जीत लिया। आपको बता दें बदायूं से बहजोई अपनी ड्यूटी पर लौट रही महिला सुनीता व्यास ने अपनी वॉलेट बस में भूलने की शिकायत की, तो उप निरीक्षक सत्य प्रकाश शर्मा और कांस्टेबल गुलफाम तथा हैड कांस्टेबल जय भगवान ने फौरन बस का पता लगाकर नकदी समेत जरूरी दस्तावेज लौटा दिए। इस घटना ने पुलिस की ईमानदारी और तत्परता की मिसाल पेश की है। घटना सोमवार सुबह की है। सुनीता व्यास, पत्नी पवन व्यास, जो बहजोई के एक

बैंक में कर्मचारी हैं, बदायूं से अपनी रोडवेज बस से ड्यूटी पर आ रही थीं। इस्लामनगर में मैन चौराहे पर एक जानकार व्यक्ति की कार दिखाई दी, जिसे देखते ही जल्दबाजी में वे कार में सवार हो गईं और बहजोई पहुंच गईं। लेकिन कार से उतरने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि उनका वॉलेट गाड़ी में ही रह गया। वॉलेट में 2,000 रुपये नकद और कुछ जरूरी दस्तावेज शामिल थे, जो उनके लिए बेहद जरूरी थे। बहजोई पहुंचते ही सुनीता ने यातायात चेकपोस्ट पर तैनात उप निरीक्षक सत्य प्रकाश शर्मा को अपनी परेशानी बताई। पुलिस टीम ने बिना वक्त गंवाए बस का पता लगाया और वॉलेट को सुरक्षित बरामद कर सुनीता को लौटा दिया। सुनीता ने बताया, मैं बेहद परेशान थी, लेकिन पुलिस की तत्परता ने मेरा पूरा भरोसा बहाल कर दिया। यह मेरे लिए किसी चमत्कार से कम नहीं था। महिला ने पुलिस कर्मियों को धन्यवाद कहा और भूरी भूरी प्रशंसा की। यातायात प्रभारी दुष्यंत कुमार बालियान ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमारी टीम हमेशा जनसेवा के लिए तत्पर रहती है।ऐसी छोटी-छोटी मदद से ही पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत होता है। ऐसी घटनाएं पुलिस विभाग की सकारात्मक छवि को मजबूत करती हैं और आमजन में विश्वास जगाती हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग की वित्तीय पत्रावलियों की समीक्षा बैठक में अनुपस्थित कर्मियों पर कार्रवाई

अमरोहा(सब का सपना) रोहित कुमार:- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की वित्तीय पत्रावलियों की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विभागीय वित्तीय मामलों की प्रगति की जांच करना और लंबित पत्रावलियों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना था। बैठक में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी

और कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान पटेल सहायक राहुल कुमार और सचिन कुमार तथा डीसी प्रशांत कुमार और सत्यवीर सिंह अपनी-अपनी पत्रावलियों के साथ उपस्थित नहीं हुए। उनकी अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. मोनिका ने कड़ा रुख अपनाया। डॉ. मोनिका ने अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने के साथ-साथ उनसे स्पष्टीकरण तलब करने के सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन समय पर करना होगा।

चकबंदी में अनियमितताओं को लेकर किसानों का आक्रोश, डीएम को सौंपा ज्ञापन

अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के ग्राम ढक्का में चल रही चकबंदी प्रक्रिया को लेकर किसानों में भारी रोष व्याप्त है। सोमवार को बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर चकबंदी में व्याप्त गंभीर अनियमितताओं के संबंध में ज्ञापन सौंपा।किसानों का आरोप है कि चकबंदी प्रक्रिया के दौरान मुख्य मार्ग पर स्थित चकों को हटाकर दूर बना दिया गया है। जिन चकों पर पहले से ट्यूबवेल लगे हुए थे, वहां किसी अन्य व्यक्ति का चक बना दिया गया। लेखपाल पर कुछ लोगों से मिलीभगत कर उनके चकों को चकबंदी से बाहर करने तथा बिना मौके पर आबादी या बाग होने के बावजूद उन्हें च-18 व आबादी

दर्शाने का भी आरोप लगाया गया।किसानों ने बताया कि कई स्थानों पर मौके पर मौजूद मकान व आबादी को सामान्य भूमि दिखा दिया गया है, वहीं चकों में लगे आम, अमरूद व शीशम के पेड़ों को नक्शे में नहीं दशार्या गया। कुछ किसानों के मुख्य चकों को हटाकर उन्हें उड़ान चक बना दिया गया, जिससे उन्हें भारी नुकसान हो रहा है।चकबंदी के दौरान भूमि की नाप में भी गंभीर गड़बड़ी के आरोप लगाए गए। किसानों का कहना है कि जिनकी भूमि मौके पर पूरी थी, नाप के समय उन्हें कम दिखाया गया है। इसके अलावा भूमि की सही मालियत का निर्धारण भी नहीं किया गया।भारतीय किसान यूनियन (शंकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी दिवाकर सिंह ने कहा कि ग्राम ढक्का में लगभग 70 से 80 प्रतिशत किसान चकबंदी का विरोध कर रहे हैं और वर्तमान स्थिति में चकबंदी को निरस्त किया जाना न्यायहित में आवश्यक है। उन्होंने मांग की कि राजस्व अभिलेखों को चकबंदी विभाग से हटाकर तहसील में भेजा जाए, ताकि किसानों के किसान क्रेडिट कार्ड का नवीनीकरण और नए केसीसी बनाए जा सकें।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि चकबंदी की अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कर किसानों को न्याय नहीं मिला, तो भारतीय किसान यूनियन (शंकर) आंदोलन करने को मजबूर होगी आज कार्यक्रम में चौधरी धर्मवीर सिंह विक्रम पवार अमित कुमार नैपाल सिंह वीरपाल सिंह गुर्जर रामकुमार सिंह दीपक कुमार विनीत कुमार शिव स्वरूप सिंह राजीव कुमार मदन सिंह संदेश कुमार भोलू सिंह रामचंद्र सिंह वीर सिंह जिला अध्यक्ष चौधरी नेमपाल सिंह शेर सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

सम्भल पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

संभल(सब का सपना) अफसर अली:- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों तथा कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181 साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया एवं पुलिस टीमों द्वारा सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के बारे में तथा सरकार द्वारा प्रत्येक थाने को दिए गए हैं मिशन शक्ति CUG नंबर के बारे में भी बताया गया ।

शिक्षको के लम्बित कार्यो को लेकर संगठन मे रोष

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में शिक्षक शिक्षिकाओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर मोनिका एवं जिला वित्त एवं लेखा अधिकारी कुंदन कुमार झा को ज्ञापन सोपा जनपद में शिक्षकों के पिछले 6 माह से दोनों कार्यालय में अनेक कार्य लंबित हैं जिसे लेकर शिक्षकों में रोज व्याप्त है उसी के संबंध में एससी एसटी बेसिक टीचर वेलफेयर एसोसिएशन ने आज दोनों अधिकारियों से विस्तार से वार्ता कि संगठन के जिला अध्यक्ष करतार सिंह के नेतृत्व में शिक्षक कार्यालय पहुँचे जिलाध्यक्ष ने शिक्षकों की समस्याओं से दोनों अधिकारियों को अवगत कराया जिला अध्यक्ष करतार सिंह ने कहा कि शिक्षकों के चयन वेतनमान प्रोन्नत .वेतनमान वेतन वृद्धि एवं एक-एक दिन के वेतन रुके हुए हैं उन पर अधिकारी संज्ञान नहीं ले रहे हैं जिसके कारण शिक्षकों को बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इस वजह से उनके इंक्रीमेंट रुके हुए हैं विभिन्न प्रकार के एरियर sir मे अवरुद्ध वेतन एरियर भुगतान नगरीय HRA बोनस 2% से3% DA का भुगतान आदि समय पर नहीं हो रहा है शिक्षकों की एक-एक समस्या को बिंदु बार उक्त दोनों अधिकारियों को बताया गया दोनों अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि एक माह के अंदर सभी के लंबित कार्यों को निस्तारित कर दिया जाएगा यह अवसर पर संगठन के जिला महामंत्री जगवीर सिंह जिला कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी जिला मंत्री कावेंद्र सिंह जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र प्रकाश व्यास जिला ऑडिटर प्रवीण कुमार जिला संगठन मंत्री देवकांत भरत भूषण ब्लॉक अध्यक्ष हसनपुर निर्देश कुमार अनिल कुमार हरिओम सिंह योगेश कुमार अरविंद सिंह मकरध्वज सिंह हरवीर सिंह पुष्पेंद्र कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

14 जनवरी तक आंगनबाडी केन्द्रों पर आने वाले 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों का अवकाश घोषित

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने आदेश जारी करते हुए निर्देश दिए कि वर्तमान में शीतलहर एवं तापमान में गिरावट के दृष्टिगत दिनांक 14 जनवरी 2026 तक जनपद में संचालित समस्त आंगनबाडी केन्द्रों पर आने वाले 03 से 06 वर्ष तक के बच्चों का अवकाश घोषित किया जाता है। उक्त अवकाश अवधि में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं सहायिका द्वारा लाभार्थियों को अनुपूरक पुष्टाहार का वितरण, वजन, गृह भ्रमण, पोषण

ट्रैकर पर फिडिंग, निर्धारित कैलेण्डर के अनुसार सामुदायिक गतिविधियों का आयोजन, वी.एच.एस.एन.डी. सत्र एवं आर.बी.एस.के. टीम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य जाँच व संदर्भन के साथ-साथ अन्य शासकीय एस०आई०आर०/ बी०एल०ओ०/ विभागीय कार्य नियमित रूप से सम्पादित किया जायेगा तथा उक्त अवकाश अवधि में बिना सक्षम स्तर पर अवकाश स्वीकृत कराये आंगनबाड़ी कार्यकत्री / सहायिका केन्द्र / मुख्यालय से बाहर नहीं जायेंगी। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

आईटीआई चन्दौसी में बेस्ट जॉब मेकिंग प्रतियोगिता का शानदार आयोजन

हादसे के बाद पिकअप चालक करीब 45 मिनट तक केबिन में फंसा रहा

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) चन्दौसी-सम्भल में बेस्ट जॉब मेकिंग प्रतियोगिता का सफल और सुव्यवस्थित आयोजन किया गया। दिसम्बर की वार्षिक प्रशिक्षण एवं सहगामी गतिविधियों के अंतर्गत आयोजित इस प्रतियोगिता ने संस्थान के छात्रों की तकनीकी दक्षता और सृजनात्मकता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया।संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह पाल के कुशल निर्देशन में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में विभिन्न ट्रेड्स से कुल 35 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने अपने जॉब मेकिंग कार्यों के माध्यम से कार्यकुशलता का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जो व्यावहारिक प्रशिक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बना। निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक

चन्दौसी से आमंत्रित निर्णायक समिति में व्याख्याता दिनेश मोहन आर्य (मैकेनिकल) और चेतन प्रसाद सिंह (विद्युत अभियंत्रण) शामिल थे। उन्होंने प्रतिभागियों के कार्यों का सूक्ष्म परीक्षण किया और गुणवत्ता की सराहना की। निर्णायकों ने कहा, ऐसे आयोजन प्रशिक्षुओं के व्यावहारिक ज्ञान, आत्मविश्वास और रोजगारपरक दक्षता के विकास के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। प्रतियोगिता में इलेक्ट्रिशियन प्रथम वर्ष की छात्राओं की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर सभी को प्रभावित किया। विजेता टीम में रौनक, लकी, ज्योति, डॉली, गौरी और खुशी शामिल हैं। द्वितीय स्थान फिटर ट्रेड की छात्राओं तथा वायरमैन प्रथम वर्ष ट्रेड के प्रशिक्षुओं की टीम को मिला, जबकि तृतीय स्थान इलेक्ट्रिशियन पावर डिस्ट्रीब्यूशन प्रथम वर्ष ट्रेड के प्रतिभागियों ने प्राप्त किया।

संस्थान प्रशासन ने सभी निर्णायकों, स्टाफ सदस्यों और प्रतिभागियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य डॉ. पाल ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन जारी रहेगा, ताकि छात्रों को उद्योग जगत के लिए तैयार किया जा सके। यह आयोजन न केवल छात्रों के कौशल को निखारता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर तकनीकी शिक्षा की महत्ता को भी रेखांकित करता है।

अवैध मिट्टी खनन पर कार्रवाई जेसीबी और डंपर जब्त,दो महीने में 50 मामले दर्ज

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में अवैध खनन के खिलाफ प्रशासन की सख्ती जारी है। सोमवार सुबह तहसील क्षेत्र के ग्राम सकरपुर में खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने साधारण मिट्टी के अवैध खनन की सूचना पर छापेमारी की। मौके पर जेसीबी मशीन और डंपर अवैध खनन में उपयोग होते पाए गए, जिन्हें जब्त कर थाना कैला देवी में सुपुर्द कर दिया गया। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने बताया कि नवंबर और दिसंबर इन दो महीने में अवैध खनन एवं परिवहन के कुल 50 प्रकरण सामने आए हैं। इनमें वाहनों और मशीनों को विभिन्न थानों में सुपुर्द किया गया तथा संबंधित मामलों में समन की कार्रवाई कर राजस्व की

वसूली की गई है। यह कार्रवाई शासन की प्राथमिकता के अनुरूप की जा रही है, जिसमें पूरे प्रदेश में अवैध खनन और परिवहन पर पूर्ण अंकुश लगाने के निर्देश हैं। जिलाधिकारी सम्भल के समय-समय पर दिए गए निदेर्शों के क्रम में क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध खनन या परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध खनन न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है बल्कि सरकारी राजस्व की भी हानि करता है। जनपद प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि अवैध खनन की किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत खनन विभाग या पुलिस को दें।

द आर्यन्स में हुआ बाल मेले का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद के द आर्यन्स, जोया में रविवार को भव्य बाल मेले का आयोजन किया गया। जिसका बच्चों ने जमकर लुत्फ उठाया। बाल मेले का उद्घाटन विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह तथा निदेशक अमन लिट्ट व गौरव चौधरी एवं प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने संयुक्त रूप से किया। मेले की शुरूआत सुबह 11:00 बजे से हुई और दोपहर तक बच्चों व अभिभावकों का स्टॉलों पर जमावड़ा लगा रहा। बाल मेले में आयोजित प्रतियोगिताओं में लिटरेचर लाउन्ज,आर्यभट्ट, एक्सप्लोरिंग यूड्टपीड्ट एंड पंजाब, कब्ज केव, साइंस ओडसी, गेम मेनिया, फेस पेंटिग, लकी डाइस, माइंड बस्टर, बॉटल बोनैन्जा, चार्मिंग रिंग्ज, क्रेजी मैजिक, मैजिकल स्नैक्स एंड लैडर्स, बॉल मैजिक, एड्रेनैलिन, फन फोर्ज,

जैकपॉट जंक्शन प्लस एयर गन, हैमलीज जॉन, टॉस योर लक, डेविल्स हाउस, द थ्री बीज, हेल्थ एंड सेफ्टी स्टॉल- में फायर सेफ्टी एवं फर्स्ट एड जैसे खेलों में भाग लेकर उपहार जीते। इसके साथ ही कार्यक्रम में स्वागत नृत्य महाराष्ट्रीयन नृत्य, सेव गर्ल चाइल्ड, बंगाली नृत्य, राजस्थानी नृत्य, मोरल स्किट, पंजाबी डांस, योगा, क्लासिकल डांस, हिंदी एक्ट एवं सोलो परफॉर्मेंस में यूड्ट केड्ट जीड्ट से शार्व्या, गिटार वादन में कक्षा 11 से नितिन गेरा तथा नृत्य में कक्षा 3 से अनाया एवं किंडर गार्डन अनुभाग में नर्सरी से यूड्टके जीड्ट तक के विद्यार्थियों ने रैंप वॉक और मैजिक शो में बढ़ चढ़कर प्रतिभाग लिया ' बाल मेले में हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं सामाजिक विज्ञान, की प्रदर्शनी भी लगाई गई ' मेले में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के स्टॉल पर बच्चों की भीड़ अधिक रही। मेला में हर 15 मिनट पर सुपर लकी

ड्रॉ विजेताओं को फेन,हीटर गीजर,नॉन स्टिक सेट ,रूम हीटर, कूलर,फैन, वॉटर हीटर रॉड, इंडक्शन, टीड्टवीड्ट, बैक पैक,कम्फर्टर, क्यूम,क्लीनर,ईयर बड्स , पुडिंग सेट, गैस स्टोव,किचन कंटेनर, आयरन, रूम हीटर, बकेट सेट,वॉटर कूलर ,इंस्टेंट गीजर, फ्रीज, इलेक्ट्रिक केटल ,कैसरोल सेट, प्लास्टिक वॉर्डरोब ,मिक्सर ग्राइंडर,पेडस्टल फैन,सूट केस और वाशिंग मशीन आदि विभिन्न प्रकार के उपहार प्रदान किए गए । इसके साथ ही अमरोहा से आए जादूगर इंतजार पाशा ने सभी दर्शकों को अपने जादू से हैरान कर दिया ' इस दौरान बाल मेले आई जिला अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने गेम स्टॉल व विभिन्न विषयों की प्रदर्शनी में जाकर छात्र-छात्राओं से भिन्न-भिन्न प्रकृति के प्रश्न पूछे और उनकी प्रशंसा की ' बाल मेले में विद्यालय की छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए गए ' इस अवसर पर विद्यालय के अजीत सिंह, ममता, जागृति कौशिक, शुभम शर्मा, विनीत कुमार शर्मा, सुमित चौधरी, प्रेरिता, रिया, अनिल कुमार, फुरकान सैफी, सचिन शर्मा, सोनू, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, कुमुद, सोनू, शिवानी सरोहा, रुकैया, ममता, कल्पना, अजीत सिंह, रुचि सिंह, सचिन कुमार यादव, शिवम कुमार, रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, प्रतीक कुमार, रमनबाला, शीतल यादव, शैलजा चौधरी, विपिन कुमार, मोनिका, धीरज महलवार, अदिति, अनुज, सिखा आनंद, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, अश्विनी, शिवानी गुप्ता, नीतू राज, शालिनी वर्मा, स्वाति चौधरी, रचना, हुमा बेबी आदि शिक्षक उपस्थित रहे '

अमरोहा के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश घोषित

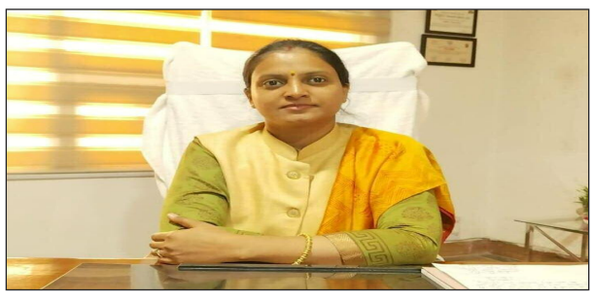

डीएम ने 1 जनवरी तक नर्सरी से कक्षा 12 तक किया अवकाश घोषित

अमरोहा (सब का सपना):- अत्यधिक ठंड और शीतलहर के चलते अमरोहा डीएम निधि गुप्ता वत्स ने जिले में 1 जनवरी 2025 तक के लिए समस्त विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। बता दें कि सोमवार को यह आदेश जिला अधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक (DIOS) जारी किया है, इसके बाद सोमवार से कक्षा नर्सरी से कक्षा 12 तक के सभी विद्यालयों का अवकाश रहेगा। जनपद अमरोहा में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है जिसके चलते पिछले तीन दिनों में सूर्य देवता के भी दर्शन लोगों को नहीं हो पाए हैं। ऊपर से हाड़ कंपा देने वाली हवाओं ने लोगों के शरीर को सुन्न कर रखा है। बढ़ती ठंड के कारण लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है,सुबह-शाम घना कोहरा छाया रहता है। ऐसी परिस्थितियों में स्कूली बच्चों को भी स्कूल आने-जाने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।ठंड के कारण बनी इन परिस्थितियों को मद्देनजर रखते हुए प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है।

बहू ने सेना से रिटायर्ड ससुर को पीट-पीटकर मार डाला, जांच में सामने आई कत्ल की बड़ी वजह

नई दिल्ली। पुलिस ने सोमवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के बिंदापुर इलाके में संपत्ति विवाद को लेकर अपने बुजुर्ग ससुर की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में 32 वर्षीय एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को 27 दिसंबर को सुबह करीब 10.46 बजे बिंदापुर के मनसा राम पार्क में हुई हत्या के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसके बाद एक टीम को घटनास्थल पर भेजा गया। पुलिस ने बताया कि मृतक नरेश कुमार (62) वायुसेना के सेवानिवृत्त कर्मी थे। वह अपने घर की छत पर बेहोश पड़े मिले। उनकी बहू गीता ने पुलिस को बताया कि उन्हें पीटा गया था और वे छत पर बेहोश पड़े थे। पुलिस ने बताया कि नरेश को अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटनास्थल पर क्राइम टीम और फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के विशेषज्ञों को बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आगे बताया कि जांच के दौरान पता चला कि संपत्ति के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था, जिसके कारण गीता अक्सर अपने ससुर से झगड़ा करती थी। नरेश की पत्नी का अगस्त में निधन हो गया और गीता के पति हैदराबाद में काम करते हैं। बिंदापुर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच जारी है।

रहरा थाने की टीम ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं व बालिकाओं को किया जागरूक

रहरा/अमरोहा(सब का सपना) मनोज शर्मा:- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान के अंतर्गत जनपद अमरोहा के रहरा थाना क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। थाना प्रभारी अतवीर चौहान के नेतृत्व में महिला कांस्टेबल शिवानी और रूबी ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए क्षेत्र की महिलाओं व बालिकाओं को विभिन्न सुरक्षा उपायों, हेल्पलाइन नंबरों और आत्मरक्षा के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम

के दौरान महिलाओं को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस हेल्पलाइन 112, महिला हेल्पलाइन 1090, 181 तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे उठाया जा सकता है। साथ ही साइबर अपराधों से बचाव, घरेलू हिंसा और छेड़छाड़ जैसी समस्याओं पर खुलकर चर्चा की गई। थाना प्रभारी अतवीर चौहान ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास जगाना और समाज में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस जागरूकता अभियान से क्षेत्र की दर्जनों महिलाओं व बालिकाओं ने लाभ उठाया और पुलिस की इस पहल की सराहना की। पुलिस अधीक्षक अमरोहा के निर्देशन में जनपद भर में ऐसे कार्यक्रम निरंतर चलाए जा रहे हैं, जिससे महिलाएं अधिक सशक्त और सुरक्षित महसूस कर रही हैं। मिशन शक्ति 5.0 अभियान सितंबर से चलाया जा रहा है और इसका फोकस महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण पर है।

दिल्ली के रेस्टोरेंट में 11वीं के छात्र की प्लास्टिक की शेड से गिरकर मौत, दोस्तों के साथ आया था कबीन

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली मॉडल टाउन थाना क्षेत्र स्थित इनविटेशन रेस्टोरेंट परिसर में गैलरी के ऊपर बनी प्लास्टिक शेड टूटने से एक छात्र नीचे गिर गया। आनन-फानन में छात्र को पास के ही एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, शुरूआती जांच के दौरान पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार की शाम को तीन दोस्तों के साथ छात्र यहां पहुंचा, जो खुद ही सीढ़ियों के रास्ते शेड पर चढ़ गया। शेड टूटने से यह हादसा हुआ है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर छात्र शेड पर क्यों चढ़ा। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार की शाम 5:51 बजे मॉडल टाउन के गुजरांवाला टाउन में एक बच्चे के गिरने के बारे में जानकारी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस को पता चला कि घायल को पेंटामिड अस्पताल ले जाया गया है, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं, पूछताछ करने पर पता चला कि घायल कबीन कुमार गुजरांवाला टाउन-2 में माता-पिता के साथ रहता था। अपने दोस्त आर्यमन, कबीर और यश त्यागी के साथ यहां घूमने के लिए आए थे। सभी अशोक विहार स्थित प्रूडेंस स्कूल में 11वीं कक्षा के छात्र हैं। जांच के दौरान पता चला कि सभी सीढ़ियों से ऊपर पहुंचे। इनमें से कबीन दुकानों के बीच गैलरी की छत के लिए बनी प्लास्टिक की शेड के ऊपर चढ़ गया। प्लास्टिक की शेड अचानक टूट गई, जिसके कारण कबीन जमीन पर गिर गया। वहीं, घायल कबीन को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। पुलिस अब प्रत्यक्षदर्शियों समेत मृतक के दोस्तों से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

डीटीसी बस में फ्री यात्रा के लिए आधार जरूरी, 2026 में लॉन्च होंगे तीन नए स्मार्ट कार्ड; अब महिलाओं को मिलेगी खास सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। सरकार पिंक टिकट सिस्टम को खत्म कर पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड लागू करने की तैयारी में है। इस नई व्यवस्था के तहत महिलाओं को 2026 से डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा के लिए स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करना होगा। योजना का उद्देश्य सिस्टम को पूरी तरह डिजिटल बनाना और दुरुपयोग पर रोक लगाना है। पिंक टिकट की जगह स्मार्ट कार्ड 2019 से लागू महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा योजना में अब कागजी पिंक टिकट की जगह स्मार्ट कार्ड लाए जाएंगे। सरकार का मानना है कि स्मार्ट कार्ड व्यवस्था से टिकटिंग प्रक्रिया ज्यादा पारदर्शी होगी और वास्तविक लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित की जा सकेगी। बस में चढ़ते समय महिलाओं को

इलेक्ट्रॉनिक टिकटिंग मशीन पर कार्ड टैप करना होगा। दिल्ली पते वाला आधार होगा अनिवार्य पिंक सहेली कार्ड बनवाने के लिए दिल्ली पते वाला आधार कार्ड जरूरी होगा। यह कार्ड 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र की लड़कियों और महिलाओं के लिए अनिवार्य किया जाएगा। कार्ड पर यात्री की पहचान से जुड़ी जानकारी दर्ज होगी, ताकि मुफ्त यात्रा योजना का सही तरीके से क्रियान्वयन हो सके। हर महीने 2 करोड़ महिलाओं को मिलेगा लाभ सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, हर महीने करीब 2 करोड़ महिलाएं दिल्ली की बसों से सफर करती हैं। नई स्मार्ट कार्ड प्रणाली से इन्हीं यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा और यह स्पष्ट हो सकेगा कि योजना का फायदा कितनी महिलाओं तक पहुंच रहा है। तीन तरह के स्मार्ट कार्ड लाने की तैयारी दिल्ली सरकार की योजना सिर्फ महिलाओं तक सीमित नहीं है। परिवहन विभाग तीन तरह के स्मार्ट कार्ड लाने पर काम कर रहा है। पिंक सहेली कार्डः सिर्फ महिलाओं के लिए। दिल्ली की बसों में पूरी तरह मुफ्त यात्रा हेतु। विशेष स्मार्ट कार्डः वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और अन्य मौजूदा बस पास धारकों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध। जनरल स्मार्ट कार्डः सभी यात्रियों के लिए मेट्रो कार्ड की तरह रिचार्ज करके इस्तेमाल किया जा सकेगा। कई जगह खुलेंगे पंजीकरण काउंटर स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए दिल्ली भर में डीएम और एसडीएम कार्यालयों, बस डिपो और कॉमन सर्विस सेंटर पर पंजीकरण काउंटर खोले जाएंगे।

कार्ड जारी करने और काउंटर संचालन की जिम्मेदारी दो निजी एजेंसियों/बैंकों को दी जाएगी। 2026 से लागू करने की तैयारी सरकार की योजना है कि सभी तैयारियां पूरी होने के बाद 2026 से स्मार्ट कार्ड आधारित मुफ्त बस यात्रा व्यवस्था को लागू कर दिया जाए।

दिल्ली में 2 जनवरी तक बंद रहेगा बसंत मार्ग, सीपी में जाम से बढ़ेगी टेंशन; ट्रैफिक पुलिस ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा पहाड़गंज क्षेत्र में बसंत लेन पर सीवर लाइन बदलने के काम के कारण 26-27 दिसंबर 2025 से 2 जनवरी 2026 तक यातायात प्रभावित रहेगा। इस दौरान बसंत लेन सभी प्रकार के वाहनों के लिए पूरी तरह बंद रहेगी। यह सड़क कनॉट प्लेस के आसपास का महत्वपूर्ण शॉर्टकट है, जिसके बंद होने से आसपास की सड़कों पर ट्रैफिक जाम बढ़ सकता है। यातायात पुलिस ने लोगों से इस अवधि में बसंत लेन से बचने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है। सुझाए गए वैकल्पिक मार्गों में पंचकुइयां रोड, चेल्म्सफोर्ड रोड और नेहरू नगर, पहाड़गंज की मुख्य बाजार सड़क शामिल हैं। स्थानीय निवासियों और आने-जाने वालों को पहले से यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है। एडवाइजरी में कहा गया है कि स्थानीय निवासियों से सीवर इंफ्रास्ट्रक्चर सुधार के इस काम के लिए सहयोग की अपील की गई है। ट्रैफिक साइनेज का पालन करने, तैनात पुलिस कर्मियों के निर्देश मानने और सड़क किनारे पार्किंग से बचने की सलाह दी गई है ताकि असुविधा कम हो।

आगरा नहर में कूदे युवक का छठे दिन भी नहीं मिला सुराग, तलाश में जुटी एनडीआरएफ की टीम

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में लोहिया पुल से 23 दिसंबर की शाम को आगरा नहर में कूदने वाले 25 वर्षीय युवक का छह दिन बाद कुछ पता नहीं चल सका। एनडीआरएफ की टीम युवक की तलाश पलवल के छज्जूनगर तक कर चुकी है। उधर, इस हादसे के बाद नहर में लापता युवक का परिवार अपने गांव चला गया है। जैतपुर थाना पुलिस ने युवक के नहर में गिरे होने की सूचना हरियाणा पुलिस के अलावा यूपी पुलिस को भी दे दी है। हरियाणा व यूपी पुलिस के जिन थाना क्षेत्रों से होकर आगरा नहर गुजरती है। उन सभी को इत्तला दी जा चुकी है। बता दें, 23 दिसंबर की शाम को करीब चार बजे के आसपास हरीनगर में किराए पर रहने वाला 25 वर्षीय ज्ञानेंद्र लोहिया पुल से आगरा नहर में कूद गया था। उस वक्त वह नशे में था। पुलिस को एक प्रत्यक्षदर्शी सांइबाबा नामक व्यक्ति ने इत्तला दी थी कि युवक नहर में कूदा है। उसी दिन से लगातार युवक की नहर में तलाश की जा रही है। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। दरअसल, ठंड होने के कारण नहर का पानी बहुत ज्यादा ठंडा है। ऐसे वक्त में कोई इस पानी में डूब जाता है, वह काफी दिनों तक ऊपर नहीं आ पाता।

आईएमडी का रेड अलर्ट जारी, घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 70 से ज्यादा ट्रेनें 15 घंटे तक लेट; देखें पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। सोमवार सुबह राजधानी दिल्ली में घना कोहरा छाया रहा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। इसे बदलकर अब रेड अलर्ट कर दिया गया है।सुबह आठ बजे तक इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और सफदरजंग में दृश्यता मात्र 50 मीटर रही। कोहरे के कारण विमान व ट्रेन परिचालन बाधित हुआ है। वहीं, प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, सुबह आठ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 402 यानी गंभीर श्रेणी में दर्ज हुआ। आनंद विहार (455) और विवेक

विहार (456) सबसे अधिक प्रदूषित रहा। कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 70 ट्रेनें दो से '5 घंटे के विलंब से चल रही हैं। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा के लिए कई ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ा है। लंबी दूरी के साथ ही कई लोकल ट्रेनें भी विलंब से चल रही हैं, जिससे दैनिक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। देरी से रवाना होने वाली प्रमुख ट्रेनें नई दिल्ली-बरौनी हमसफर विशेष-14.05 घंटे नई दिल्ली-कानपुर श्रम शक्ति एक्सप्रेस-11.05 घंटे नई दिल्ली-कालका शताब्दी एक्सप्रेस-सवा चार घंटे नई दिल्ली-अमृतसर शान ए पंजाब एक्सप्रेस-सवा पांच घंटे नई दिल्ली-सोगरिया (कोटा) सुपरफास्ट एक्सप्रेस-पौने पांच घंटे नई दिल्ली-दरभंगा हमसफर विशेष-पांच घंटे आनंद विहाट टर्मिनल-अयोध्या कैंट वंदे भारत-6.05 घंटे नई दिल्ली-लखनऊ स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस-तीन घंटे नई दिल्ली-फिरोजपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस-दो घंटे आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी सीमांचल एक्सप्रेस-डेढ़ घंटे

उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर किया प्रोटेस्ट

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यकताओं ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के बाहर 2017 उन्नाव रेप मामले की पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। अलका लांबा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। इसी दिन सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दोषी कुलदीप सिंह सेंगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर जमानत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की अवकाश पीठ ने सीबीआई की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के 23 दिसंबर के फैसले पर स्टे लगा दिया। कोर्ट ने कहा कि सेंगर अलग मामले में सजा काट रहे हैं, इसलिए वे जेल में ही रहेंगे। पीड़िता ने इस फैसले पर खुशी जताई और न्याय व्यवस्था में पूरा विश्वास व्यक्त किया। पीड़िता ने पहले आरोप लगाया था कि सेंगर ने सीबीआई अधिकारी और हाईकोर्ट जज को रिश्वत दी। उन्होंने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ से सुरक्षा की अपील की थी ताकि वे बिना डर के लड़ाई लड़ सकें। कार्यकर्ता योगिता भयाना ने कहा कि पीड़िता कोर्ट में मौजूद थीं और न्याय की उम्मीद है।

दिल्ली में साइबर ठगी सिंडिकेट का भंडाफोड़, अमेरिकी अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट करने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। डिजिटल अरेस्ट और निवेश के नाम पर साइबर ठगी के दो मामलों से साइबर क्राइम सिंडिकेट के दो सदस्यों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। करीब एक करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में दोनों शामिल थे। इन्हें बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी, जबरन वसूली और कई राज्यों में धोखे से जुटाए गए पैसों को ठिकाने लगाने के मामले में पकड़ा गया है। एक मामला डिजिटल अरेस्ट से संबंधित है, जिसमें एक साइबर सिंडिकेट ने एक अमेरिकी नागरिक (एनआरआई) को डिजिटल अरेस्ट कर उनसे 30 लाख की ठगी की थी। सैन फ्रांसिस्को दूतावास का अधिकारी बनकर पीड़ित को डिजिटल अरेस्ट कर उन्हें डरा धमका कर पैसे मंगवा लिया था। पीड़ित को डराने के बाद उन्हें दिल्ली पुलिस मुख्यालय के एक अधिकारी से बात कराने का भी झांसा दिया गया था। दूसरे मामले में उंचे रिटर्न दिलाने का झांसा देकर बैंक एन्क्लेव के रहने वाले एक व्यक्ति से 31.45 लाख की ठगी की थी। डीसीपी आदित्य गौतम का कहना है कि पहले मामले में बैंक एन्क्लेव के रहने वाले एक व्यक्ति को फर्जी ऑनलाइन निवेश योजना के माध्यम से 31.45 लाख का चूना लगाया गया। पीड़ित को काल कर वॉट्सएप ग्रुप के माध्यम

से फंसाया गया। उन्हें पहले वेंचुरा नाम के एक एप्लिकेशन को इंस्टाल करने के लिए मजबूर किया गया। उसके बाद उसे ऊंचे रिटर्न का वादा करके छह अलग-अलग बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर कराए गए। पैसे ट्रांसफर होने के बाद, वॉट्सएप ग्रुप को बंद कर दिया गया यानी एप ही काम करना बंद कर दिया। ठगी का एहसास होने के बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत का मामला दर्ज करवा दिया था। केस क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर होने पर एसीपी रमेश लांबा व इंस्पेक्टर कमल कुमार और सतेंद्र खारी की टीम ने जांच कर संबंधित बैंकों से पहले-लेयर के लाभार्थी खातों की जानकारी प्राप्त की। जांच से पता चला कि धोखे से मंगाई गई रकम को कई म्यूल खातों के जरिये घुमाकर फंड को लेयरिंग करके निकाला गया। टेक्निकल सर्विलांस, बैंक खातों की विस्तृत जांच, मोबाइल लोकेशन और संबंधित बैंक शाखाओं की जांच के आधार पर, शुरू में पंजाब के लुधियाना और खन्ना में छापे मारे गए। वहां से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनके (लेयर-एक) खातों में धोखे से मंगाई गई रकम ट्रांसफर की गई थी। उनसे पूछताछ के बाद गुजरात से अर्जुन सिंह को गिरफ्तार किया गया, जो धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए दूसरे-लेयर के म्यूल खाते को चला रहा था। अर्जुन सिंह, गुजरात का रहने वाला है। दूसरे लेयर के म्यूल खाते का धारक, जहां धोखे से मंगाई गई रकम का एक हिस्सा जमा किया गया था। उसने अपने बैंक खाते से पैसे निकालकर कमीशन के दो लाख लेकर शेष साइबर सिंडिकेट को सौंप दिया। पुलिस ने उसका मोबाइल फोन, सिमकार्ड, एटीएम कार्ड और चेक बुक जब्त कर ली है।

अनिल विज की सख्ती से 1500 करोड़ के वर्कस्लिप घोटाले का पदार्फाश

चंडीगढ़ : हरियाणा के श्रम मंत्री अनिल विज की सतर्क और पैनी निगरानी के चलते श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में लंबे समय से चली आ रही वर्कस्लिप (कार्य रसीद) से जुड़ी गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। प्रारंभिक जांच में यह घोटाला लगभग संभवतः 1500 करोड़ रूपए तक का होने की आशंका जताई जा रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए श्री विज ने इस पूरे प्रकरण की किसी प्रतिष्ठित जांच एजेंसी से गहन जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा है। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रम मंत्री ने बताया कि हाल ही में उन्होंने बोर्ड की एक बैठक की अध्यक्षता की थी, जिसमें बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति में अनियमितताओं के साथ-साथ निर्माण श्रमिकों को दी जाने वाली योजनाओं के लाभ वितरण में भी गड़बड़ियां सामने आईं। इसके बाद उन्होंने तत्काल जांच के आदेश दिए। अगस्त 2023 से मार्च 2025 के बीच जारी वर्कस्लिपों किया जा रहा है सत्यापन - विज

विज ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर हिसार, कैथल, जींद, सिरसा, फरीदाबाद और भिवानी जिलों में जांच कराई गई, जहां बड़े पैमाने पर अनियमितताएं पाई गईं। इसके पश्चात राज्य के सभी जिलों के उपायुक्तों को निर्देश जारी कर जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया, जिनमें श्रम विभाग के अधिकारी सहित तीन अन्य अधिकारी शामिल किए गए। इन समितियों द्वारा अगस्त 2023 से मार्च 2025 के बीच जारी की गई ऑनलाइन वर्कस्लिपों का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। यह प्रक्रिया लगभग चार माह पूर्व शुरू की गई थी, जिसमें अब तक 13 जिलों में 100 प्रतिशत सत्यापन पूरा हो चुका है। केवल 53,249 वर्कस्लिपें वैध, जबकि 5,46,509 वर्कस्लिपें अवैध -विज श्रम मंत्री ने बताया कि इन 13 जिलों में करनाल, रेवाड़ी, नूंह (मेवात), महेंद्रगढ़, गुरुग्राम, झज्जर, पलवल, पानीपत, रोहतक, सोनीपत, पंचकूला, सिरसा और कैथल शामिल हैं, में कुल 5,99,758 वर्कस्लिपें जारी की गई थीं, जिनमें से केवल 53,249 वर्कस्लिपें वैध पाई गईं, जबकि 5,46,509 वर्कस्लिपें अवैध पाई गईं। इसी प्रकार, कुल 2,21,517 श्रमिकों के पंजीकरण में से सत्यापन के बाद केवल 14,240 श्रमिक ही पात्र पाए गए, जबकि 1,93,756 पंजीकरण फर्जी पाए गए।विज ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि कई स्थानों पर गांव के गांव फर्जी पंजीकरण कर वर्कस्लिपें बनाई गईं, ताकि अपात्र लोग सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। एक श्रमिक को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से औसतन 2.5 लाख रूपए तक का लाभ दिया जाता है, जिससे सरकार को भारी वित्तीय क्षति होने की संभावना है। श्रम मंत्री ने कहा कि जो पात्र नहीं हैं, वे योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। यह सीधी-सीधी लूट है और सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये की आर्थिक हानि पहुंचाई जा रही है। नए आवेदन स्वीकार न करने के दिए गए निर्देश- विज उन्होंने बताया कि सत्यापन समितियों द्वारा कार्यस्थल की वास्तविकता, निर्माण कार्य में सहभागिता, नियोक्ता विवरण, स्थानीय जांच और क्षेत्र भ्रमण सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच अवधि के दौरान आरटीएस की समय-सीमा रोकी गई, सरल केंद्रों को नए आवेदन स्वीकार न करने के निर्देश दिए गए तथा सभी शिकायत निवारण प्लेटफार्मों को आवश्यक सूचनाएं जारी की गईं। श्री विज ने स्पष्ट किया कि पहले से स्वीकृत पेंशन योजनाओं को रोका नहीं गया है, जबकि मृत्यु, दुर्घटना एवं अंत्येष्टि सहायता जैसी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर जारी किया जा रहा है।

बदमाशों ने चौकीदार को बंधक बनाकर लूटा गोदाम, लाखों का चूना लगाकर हुए फरार

फरीदाबाद : फरीदाबाद के बल्लभगढ़ क्षेत्र में देर रात एक बड़ी और सनसनीखेज डकैती की वारदात सामने आई है। यहां भुद्दत कॉलोनी, सीही रोड स्थित सिंगला धर्मशाला के पास गली नंबर-3 में बने श्री श्याम सेल के बीड़ी-सिगरेट सप्लाई करने वाले गोदाम को बदमाशों ने निशाना बनाया। पहले तो 4 चोरों ने गोदाम में घुसकर वहां ड्यूटी कर रहे मजदूर को बंधक बनाया, फिर गोदाम से लाखों रुपये का महंगा सिगरेट का सामान लूटकर फरार हो गए। घटना की जानकारी देते गोदाम मालिक पवन कुमार ने बताया कि शनिवार को ही उनके गोदाम में करीब 80 से 90

लाख रुपये की कीमत का सिगरेट का स्टॉक लाकर रखा गया था। रविवार को गोदाम के सभी कर्मचारियों की छुट्टी थी, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर एक वर्कर सतीश को रात में चौकीदार के रूप में ड्यूटी पर तैनात किया गया था। गोदाम मालिक ने बताया कि सतीश रात में गोदाम के अंदर ही मौजूद था। रात करीब ढाई बजे से 4 बजे के बीच 4 बदमाश गोदाम में दाखिल हुए। उन्होंने सतीश से मारपीट कर जबरन गोदाम के दरवाजे खुलवाए। इसके बाद बदमाशों ने गोदाम के अंदर बने दो कमरों के ताले तोड़ दिए और वहां रखी महंगी ब्रांडेड सिगरेट की पेटियां उठाकर ले गए। जाते-जाते बदमाशों ने सतीश के हाथ-पैर और मुंह बांध दिए, ताकि वह किसी को सूचना न दे सके। बल्लभगढ़ सिटी थाना प्रभारी शमशेर सिंह ने बताया कि वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। एफएसएल और क्राइम ब्रांच की टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। गोदाम मालिकों का दावा है कि करीब 80 से 90 लाख रुपये का माल चोरी हुआ है। शक के आधार पर कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं से जांच जारी है और जल्द ही इस बड़ी डकैती का खुलासा किया जाएगा।\

पीपीपी में सुधार करना बना महाभारत, महीनों तक चक्कर काटने के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई

गुड़गांव : अगर आपकी फैमिली आईडी यानी परिवार पहचान पत्र में कोई गलती हो गई है और आप इसमें सुधार कराने के लिए एडीसी कार्यालय जा रहे हो तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। यहां महीनों तक चक्कर काटने के बाद भी आपकी फैमिली आईडी में सुधार भले ही न हो लेकिन एक नई प्रॉब्लम जरूर सामने आ जाएगी। फैमिली आईडी में सुधार कराने के लिए कार्यालय आए लोगों को केवल धक्के ही खाने को मिल रहे हैं। महीनों इंतजार के बाद भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आरोप है कि विकास सदन में बनाए गए अंतोदय कार्यालय में जब वह अपनी शिकायत लेकर जाते हैं तो उन्हें धमकाकर भगा दिया जाता है। यहां मौजूद स्टाफ उन्हें एक से दूसरे कार्यालय भेज रहा है।वहीं, लोगों की मानें तो वह दूर दराज के क्षेत्रों से अपनी फैमिली आईडी में सुधार के लिए कई महीनों से चक्कर काट रहे हैं। अपनी नौकरी को भी दांव पर लगाकर यहां आ रहे हैं,लेकिन उनकी सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। कर्मचारी अपना पल्ला अधिकारियों पर झाड़ देते हैं तो अधिकारी जल्द ही समस्या का समाधान करने की बात कहकर उन्हें झूठा आश्वासन दे देते हैं। ऐसे में उन्हें केवल परेशान होना पड़ रहा है। लोगों की मानें तो फैमिली आईडी में गड़बड़ी के कारण वह कई सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। कई बुजुर्गों की जहां पेंशन कैंसिल कर दी गई है तो कई लोगों के बच्चों को स्कूल में एडमिशन कराने में दिक्कत आ रही है। वहीं, एक व्यक्ति ने बताया कि वह ओबीसी जाति से हैं, लेकिन फैमिली आईडी में उनके बच्चों को सामान्य वर्ग से दर्शाया गया है जबकि उन्हें व उनकी पत्नी को ओबीसी वर्ग से दर्शा दिया गया है। भले ही मुख्यमंत्री ने 1 नवंबर से सभी सुविधाओं को ऑनलाइन किए जाने की बात कही हो, लेकिन यह सुविधाएं ऑनलाइन करने के बाद लोगों की परेशानियां और अधिक बढ़ गई हैं। वहीं, अधिकारियों की मानें तो सॉफ्टवेयर अपडेट हुआ है जिसमें पूरी तरह से कार्य चंडीगढ़ से ही किया जा रहा है। इसमें सभी विभागों को मर्ज कर दिया गया है जिसके कारण अब कई विभागों की इस फैमिली आईडी में इन्वोल्वमेंट हो गई है। लोगों की परेशानियों को सुलझाने का कार्य किया जा रहा है। जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान कर लिया जाएगा।

खाटू श्याम दर्शन को निकले दोस्तों के साथ हुआ भयानक हादसा, 2 की मौके पर मौत

रेवाड़ी : दिल्ली-जयपुर हाईवे पर दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। ओढ़ी गांव के पास रॉन्ग साइड से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ईको कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका एक पहिया उखड़कर दूर जा गिरा। हादसे में कार सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार रेवाड़ी के गांव कालाका निवासी पवन (30), प्रवीण (25), विक्रम और पवन का भांजा कपिल रविवार रात ईको कार में सवार होकर राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर दर्शन के लिए निकले थे। यात्रा शुरू होने के कुछ ही समय बाद ओढ़ी गांव के

पास सामने से आए ट्रक से उनकी कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर के दौरान कार के आगे बैठे पवन और प्रवीण की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हाईवे से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों ने घायलों की मदद की और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने पवन और प्रवीण को मृत घोषित कर दिया, जबकि विक्रम की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रेफर किया गया है। कपिल का इलाज रेवाड़ी के सिविल अस्पताल में जारी है। पुलिस के अनुसार मृतक पवन ने लोन पर ईको वैन ली थी,

जिसे गांव के स्कूल में किराए पर लगाया गया था। पवन के दो बेटे हैं, जिनमें छोटे बेटे का जन्म हाल ही में हुआ है और अभी उसका कुआं पूजन भी नहीं हो पाया था। वहीं प्रवीण चार बेटियों का पिता था और गांव में ही छोटा-मोटा काम कर परिवार का पालन-पोषण करता था। बावल थाना पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। हादसे के बाद गांव कालाका में शोक की लहर है।

39 लाख की बड़ी लूट करने वाले आरोपी गिरफ्तार, पुलिस जांच में आई चौंकाने वाली वजह

झज्जर : जम्मू-कटरा हाईवे के पास हुई बड़ी लूट की बड़ी वारदात का खुलासा हो गया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने बताया कि थाना आसौदा पुलिस और सीआईए-1 बहादुरगढ़ की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 12 घंटे के भीतर 4 आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि जम्मू-कटरा हाईवे के पास लूट करने वाले आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। यह वारदात उस समय हुई जब पीड़ित करनाल से नकदी लेकर आ रहा था।जैसे ही वे केएमपी हाईवे के नजदीक पहुंचा था तो जम्मू-कटरा हाईवे पर दो गाड़ियों में सवार 5झ6 युवकों ने पीड़ित की स्विफ्ट डिजायर कार को रोककर उसके साथ मारपीट की और कार की डिग्गी से करीब 39

लाख रुपये की नकदी लूट ली थी। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि इस लूटकांड का मास्टरमाइंड पीड़ित का भतीजा ही था, जो अपने अन्य साथियों को मोबाइल फोन के माध्यम से पीड़ित की लाइव लोकेशन भेज रहा था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान साहिल उर्फ सुनील निवासी ईस्माईलपुर, सन्नी निवासी खेतावास गुरुग्राम, अमित निवासी बुढेडा चन्दु गुरुग्राम तथा वंश निवासी सरढाणा (गुरुग्राम) के रूप में हुई है। पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने बताया कि साहिल को केएमपी हाईवे के पास से, जबकि अन्य 3 आरोपियों को फरुखनगर-बादली रोड से गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों को अदालत में पेश कर 2 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर 29.10 लाख रुपये नकद तथा वारदात में उपयोग दो गाड़ियां बरामद की गई हैं। मामले की आगे की जांच जारी है।

हरियाणा में दो दोस्तों ने खाई थी शादी न करने की कसम, फिर ऐसा क्या हुआ एक ने दी जान

हिसार : हिसार जिले में ऐसा मामला सामने आया जिसे पढ़कर आप हैरान रह जाओगे। यहां दो दोस्तों ने शादी न करने की कसम खाई थी। शनिवार को एक दोस्त ने अपने दोस्त के सामने युवती से शादी करने की बात रखी तो गुस्से में आकर एक दोस्त ने जहर खा लिया। जिस कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक युवक के पिता ने आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाते हुए शव का पोस्टमार्टम करवाने से इनकार कर दिया। पुलिस परिजनों के साथ वहां पहुंची जहां युवक ने जहर खाया था। वहां से फुटेज हासिल की। फिर परिजन पोस्टमार्टम करवाने पर राजी हुए।

दोनों में थी गहरी दोस्ती जहाजपुल एरिया के रहने वाले छोटा ने बताया कि उसका बेटा जतिन राजगुरु मार्केट में एक कपड़े की दुकान पर काम करता था। काफी समय से एक युवक के साथ उसकी दोस्ती थी। दोनों अक्सर साथ रहते थे।

उन्होंने बताया कि बेटे और उसके दोस्त ने कभी शादी न करने की कसम खाई थी। दोनों में अक्सर फोन पर भी काफी बातें होती थी। शनिवार रात को भी वह दुकान पर गया और उसने फोन कर जतिन को अपने पास बुलाया था।

उसके बाद दोनों सैनियान मुहल्ला में गए। वहां पर उसके दोस्त ने बताया कि वह एक युवती के साथ शादी कर रह रहा है। उसके बाद दोनों के बीच झगड़ा हुआ। फिर बेटे ने सैनियान मुहल्ला में ही सल्फास की गोली खा ली।

हरविन्द्र कल्याण ने विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संसदीय आयोजनों में भाग लेकर हरियाणा विधानसभा का किया प्रतिनिधित्व

चंडीगढ़ : हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने 25 अक्तूबर 2024 को अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत विधान सभा की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं सशक्त बनाने की दिशा में अनेक महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उनके नेतृत्व में बीते एक वर्ष के दौरान संसदीय प्रशिक्षण, युवाओं की सहभागिता, अंतरराष्ट्रीय संसदीय मंचों पर प्रतिनिधित्व तथा सचिवालय स्तर पर संस्थागत सुदृढ़ीकरण की कई उल्लेखनीय गतिविधियां सम्पन्न हुईं। विधायकों की क्षमता वृद्धि के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा दूसरा लोक सभा के सहयोग से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चण्डीगढ़ में आयोजित किया गया। इसी क्रम में हरियाणा विधान सभा के कर्मचारियों के लिए हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) के सहयोग से चण्डीगढ़ में दोबारा लोक सभा के सहयोग से जिसमें लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग में हरियाणा सरकार के कर्मचारी भी शामिल हुए; तथा पुनः हिपा के सहयोग से चण्डीगढ़ एवं गुरुग्राम में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। मीडिया की संसदीय समझ को सुदृढ़ करने हेतु मीडिया प्रतिनिधियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चण्डीगढ़ में आयोजित हुआ। युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने की दिशा में युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विधान सभा में राज्य स्तरीय ह्यविकसित भारत युवा संसदह्न का आयोजन; इसके अतिरिक्त ह्यहरियाणा युवा संवादह्न कार्यक्रम विधान सभा परिसर में हुआ।

स्थानीय निकायों को सशक्त करने के उद्देश्य से हरियाणा विधान सभा द्वारा लोक सभा के सहयोग से देश का पहला राष्ट्रीय स्तर का सभी राज्यों के शहरी स्थानीय निकायों के प्रमुखों का सम्मेलन मानेसर (गुरुग्राम) में आयोजित किया गया। इस अवधि में अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संसदीय आयोजनों में भाग लेकर हरियाणा विधान सभा का प्रतिनिधित्व किया। पटना (बिहार) में 85वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन; धर्मशाला में सी.पी.ए. जोन-2 का वार्षिक सम्मेलन; दिल्ली में अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन; बंगलूरू में भारतीय क्षेत्र का 11वां सी.पी.ए. सम्मेलन तथा ब्रिजटाउन (बारबाडोस) में आयोजित 68वां कामनवेल्थ पार्लियामेंट सम्मेलन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त संसदीय प्रणाली के अध्ययन के उद्देश्य से उन्होंने इस वर्ष देश के 11 राज्यों की विधानमंडलों का अध्ययन दौरा भी किया। विधान सभा सचिवालय स्तर पर भी कई महत्त्वपूर्ण कार्य किए गए, जिसमें लाईब्रेरी का नवीनीकरण कर अनुसंधान एवं ज्ञान केन्द्र की स्थापना एवं उद्घाटन हुआ। मुख्यमंत्री राहत कोष में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, विधायकों तथा विधान सभा अधिकारियों द्वारा सामूहिक योगदान दिया गया। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के सहयोग से विधान सभा परिसर में योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। साइक्लोथन का आयोजन किया गया तथा विधान सभा की पत्रिका ह्यसदन संदेशह्न का विमोचन हुआ।

लोकतांत्रिक संवाद को और सुदृढ़ करने की दिशा में अध्यक्ष, विधान सभा के नेतृत्व में सर्वदलीय विधायकों का लोक सभा भ्रमण आयोजित किया गया, जिसमें माननीय उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, माननीय लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा माननीय केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल से भेंट एवं संवाद भी हुआ। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस वर्ष हरियाणा विधान सभा के तीन सत्र आयोजित हुए, जिनमें औसतन बैठकों की अवधि तथा पक्ष-विपक्ष को समान अवसर देकर सार्थक चर्चा का स्तर अब तक का सर्वाधिक रहा। भविष्य में भी प्रशिक्षण, संवाद और संसदीय सुधारों से जुड़ी विभिन्न योजनाएं प्रस्तावित हैं, जिनके माध्यम से विधान सभा व सचिवालय को और अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक मंच के रूप में विकसित किया जाएगा।

खबर एक्सप्रेस

सुप्रीम कोर्ट का फैसला ही अरावली को बचाएगा', कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले पर बोले भूपेंद्र सिंह हुड्डा

रोहतक : अरावली पर्वत श्रृंखलाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपने ही फैसले पर स्टे लगा दिया है। इस पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सुप्रीम कोर्ट का आभार जताया है। उनका कहना है कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट बहुत कम मामलों में स्वत संज्ञान लेता है। इस मामले को लेकर देश के बहुत से प्रदेशों से है लोगों की

आवाज उठ रही थी। अब सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ही अरावली को बचाएगा। हुड्डा ने आगे बताया कि हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान इस मामले को लेकर कांग्रेस पार्टी ने भी नोटिस दिया था। लेकिन वह मंजूर नहीं हुआ। वे चाहते हैं कि हरियाणा सरकार अपना स्टैंड क्लियर करें कि सुप्रीम कोर्ट में उनका क्या स्टैंड है। उन्होंने कहा कि अरावली पर्वत एक तरह से हरियाणा के फेफड़े हैं अगर फेफड़े खराब हो जाते हैं तो बहुत ज्यादा नुकसान होता है।

किसी समय खेलने के लिए जूते तक नहीं थे, अब संभालेंगे भारतीय हैंडबॉल टीम की कमान

हिसार : इस बार भारतीय हैंडबॉल टीम की कमान लाडवा निवासी हैंडबॉल कोच नवीन पूनिया संभालेंगे। 22वीं एशियन हैंडबॉल चैंपियनशिप कुवैत में 15 से 26 जनवरी तक हो रही है। आइए आपको बताते है ऐसे खिलाड़ी की संघर्ष भरी कहानी के बारे में जिसने अभावों के बीच अपने सपनों को जिंदा रखा और वह आज देश का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम का मार्गदर्शन करेंगे। नवीन पूनिया ने

बताया कि उन्होंने साल 2004 में हैंडबॉल खेलना शुरू किया था। उस समय उनकी आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। उनके पिता रामकुमार ट्रैक्टर चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके पास खेलने के लिए जूते तक नहीं थे। वह अपने सीनियर खिलाड़ियों के पुराने जूतों को सिलवाकर पहनते थे। साल 2010 में उन्हें भारतीय सेना में नौकरी मिली उन्होंने बताया कि गांव के सरकारी स्कूल में डीपी जयभगवान पानू ने उन्हें हैंडबॉल खेलना सिखाया। लगातार मेहनत और अनुशासन ने उन्हें आगे बढ़ाया। खेल ही उनके जीवन का सहारा बना। इसी के चलते साल 2010 में उन्हें भारतीय सेना में नौकरी मिली। नवीन ने जीते कई मेडल बता दें कि नवीन ने 2019 से 2022 तक भारतीय हैंडबॉल टीम के कप्तान के रूप में जिम्मेदारी संभाली। उनके नेतृत्व में टीम ने कई पदक जीते। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 22 व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 3 मेडल जीते। साउथ एशिया हैंडबॉल चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतना उनके करियर की बड़ी उपलब्धियों में शामिल है। एशियन गेम्स में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बेस्ट प्लेयर का अवॉर्ड मिला। इस उपलब्धि पर तत्कालीन थल सेना प्रमुख जनरल विपिन रावत ने उन्हें सम्मानित किया था। नवीन पूनिया को मिल चुका है भारत गौरव अवार्ड नवीन पूनिया को नई दिल्ली में भव्य समारोह में भारत गौरव अवार्ड मिल चुका है। एक भव्य राष्ट्रीय समारोह में नवीन पूनिया को उनके बहुआयामी योगदान खेल, कला और सामाजिक प्रेरणा के लिए भारत गौरव अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया।4 बार भारतीय टीम के प्रशिक्षण शिविरों से हुए बाहर नवीन ने बताया कि वह चार बार भारतीय टीम के प्रशिक्षण शिविरों से बाहर हुए, तब तो उन्होंने खेल छोड़ने का फैसला तक कर लिया था, लेकिन भारतीय सेना के कोच अरुण सैनी ने उन्हें समझाया। अब वर्ष 2025 में इंडिया टीम ने उन्हें सीनियर भारतीय हैंडबॉल टीम का प्रमुख कोच नियुक्त कर दिया।

मॉच्युर्री से बेटी का शव निकालकर ले गई मां, बोली- जिंदा थी बच्ची, डॉक्टरों ने मृत बताया

फरीदाबाद : फरीदाबाद के सिविल अस्पताल से बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां मां ने डॉक्टरों पर अपनी 12 वर्षीय बेटी को जिंदा होते हुए भी मृत घोषित करने का गंभीर आरोप लगाया है। बताया गया है कि संजय कॉलोनी निवासी परिवार अपनी बेटी भूमिका को पेट दर्द की शिकायत पर इलाज के लिए सिविल अस्पताल लेकर पहुंचा था। डॉक्टरों ने जांच के बाद करीब आधे घंटे में बच्ची को मृत घोषित कर दिया और उसकी बॉडी को मोर्चरी के फ्रीजर में रखवा दिया गया। जब यह सूचना बच्ची की मां रीना देवी को मिली तो वह तुरंत अस्पताल पहुंचीं। आरोप है कि रीना देवी ने अपने देवर के साथ मिलकर मोर्चरी में घुसकर फ्रीजर से बच्ची की बॉडी जबरदस्ती बाहर निकाली। इस दौरान मौजूद डॉक्टरों और कर्मचारियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन परिजन बच्ची को बाइक पर बैठाकर वहां से लेकर फरार हो गए। मां का कहना है कि जब उन्होंने बच्ची को फ्रीजर से बाहर निकाला तो उसके मुंह से झाग निकल रहा था और नाक से खून बह रहा था। उनका दावा है कि बच्ची की सांसें चल रही थीं। इसके बाद परिजन बच्ची को पहले घर और फिर एक निजी अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज शुरू किया गया, लेकिन करीब एक घंटे बाद वहां भी डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। वहीं अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों का कहना है कि बच्ची की मौत इलाज के दौरान ही हो गई थी। पुलिस के अनुसार शव को दोबारा मोर्चरी में रखवाया गया है और पोस्टमार्टम के बाद पूरे मामले की जांच की जाएगी।

सोनीपत एनएच पर ट्रक व कार में हुई टक्कर, एक व्यक्ति की मौत...13 लोग घायल

सोनीपत : सोनीपत से गुजरने वाले नेशनल हाईवे 334-पी पर फिर कोहरे का कहर देखने को मिला है। नेशनल हाईवे पर ट्रक चालक गलत दिशा से जा रहा था और इसी कारण सामने से आ रही इक्को गाड़ी ट्रक से टकरा

गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि एक व्यक्ति की मौत हो गई और गाड़ी सवार 13 लोग घायल हो गए। वहीं इस टक्कर में एक बाइक सवार भी घायल हुआ है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए सोनीपत सिविल अस्पताल में भिजवाया गया है। फिलहाल सदर थाना पुलिस हादसे की जांच कर रही है। आपको बता दें कि एक ट्रक चालक गांव बड़वासनी से गलत दिशा से बवाना की तरफ जा रहा था और दूसरी तरफ से एक इक्को गाड़ी चालक बड़वासनी की तरफ आ रहा था। गलत दिशा में जाने के कारण इको गाड़ी और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस टक्कर में एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई। जानकारी मिली है कि कार सवार लोग जेजे कॉलोनी से आ रहे थे। वहीं हादसे के बाद मौके पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर नीरज ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि नेशनल हाईवे-334 भी पर एक ट्रक और एक गाड़ी में टक्कर हुई है। ट्रक चालक गलत दिशा से आ रहा था और उसी की लापरवाही के कारण हादसा हुआ है।

भारतमाला प्रोजेक्ट जमीन घोटाले पर ईडी का एक्शन : छत्तीसगढ़ में नौ ठिकानों पर की छापेमारी

रायपुर (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई करते हुए रायपुर और महासमुंद में नौ विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। यह तलाशी अभियान भारतमाला हाईवे प्रोजेक्ट के तहत जमीन अधिग्रहण में हुए कथित मुआवजे घोटाले की जांच के सिलसिले में चलाया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय जांच एजेंसी उन अनियमितताओं की जांच कर रही है जो रायपुर से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम तक बनने वाले आर्थिक कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण के बदले मुआवजा वितरण के दौरान बरती गई थीं।बताया जा रहा है कि ईडी की टीमें हरमीत सिंह खनूजा, उनके सहयोगियों, कुछ सरकारी अधिकारियों और संबंधित जमीन मालिकों के परिसरों की सघन तलाशी ले रही हैं। जांच का मुख्य केंद्र भूमि अधिग्रहण के बदले दिए गए भुगतान में हुई कथित गड़बड़ियाँ हैं। भारतमाला प्रोजेक्ट देश की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत लगभग 26,000 किलोमीटर लंबे इकोनॉमिक कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं। इन गलियारों का उद्देश्य स्वर्णिम चतुर्भुज और उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर के साथ मिलकर देश में माल ढुलाई के भार को सुगम बनाना है। वर्तमान में ईडी की कार्रवाई जारी है और इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों के मिलने की संभावना जताई जा रही है।

मराठी अभिनेत्री 1.5 करोड़ रुपये की फिरौती लेते रंगे हाथों धराई

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की एंटी-एक्सटॉर्शन स्क्वॉड ने गोरेगांव के एक बिल्डर से 10 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इन महिलाओं को उसी फिरौती की पहली किस्त 1.5 करोड़ रुपये लेते रंगे हाथों पकड़ा। मराठी अभिनेत्री हेमलता पाटकर के खिलाफ भी रंगदारी का मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार दोनों महिलाओं को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कांदिवली की रहने वाली हेमलता आदित्य

पाटकर उर्फ हेमलता बाने (39 साल) और सांताक्रूज की रहने वाली अमरिना इकबाल झवेरी उर्फ एलिस उर्फ अमरिना मैथ्यू फर्नांडिस (33) के रूप में हुई है। हेमलता पाटकर एक मराठी एक्ट्रेस हैं। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि हेमलता पाटकर के खिलाफ मेघवाड़ी पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 452, 323 और 504 के तहत पहले से ही एक आपराधिक मामला दर्ज है। जांच अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि यह जाँच करना ज़रूरी है कि उसने पहले कितने ऐसे अपराध किए हैं। इसलिए, उन्होंने पुलिस हिरासत बढ़ाने की मांग की। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शिकायतकर्ता ने फिरौती की रकम कैसे दी जानी थी, इसके डिटेल्ड लिखित सबूत जमा किए हैं। पुलिस ने कहा कि हेमलता पाटकर के हैंडराइटिंग सैंपल अभी लिए जाने हैं, जबकि अमरिना झवेरी के वॉयस सैंपल अभी लिए जाने हैं। जांच अधिकारियों ने आगे कहा कि दोनों आरोपी महिलाएं जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। पुलिस को यह भी शक है कि आरोपियों ने दूसरे फरार आरोपियों के साथ मिलकर दूसरे पीड़ितों से फिरौती वसूलने की साज़िश रची होगी। शिकायतकर्ता, अरविंद गोयल (52), जो गोरेगांव पश्चिम के रहने वाले हैं और पेशे से बिल्डर हैं, ने आरोप लगाया है कि आरोपियों ने आंबोली पुलिस स्टेशन में उनके बेटे के खिलाफ दर्ज एक आपराधिक मामले को निपटाने के लिए 10 करोड़ रुपये मांगे थे। बिल्डर ने इस संबंध में क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई है।

अलीगढ़ एसएसपी की पहल, दो दर्जन बच्चों का नशा छुड़ाकर, स्कूल में कराया दाखिला

अलीगढ़ (एजेंसी)। रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और सड़कों पर भटकते नाबालिग बच्चों को नशे की लत असुरक्षित भविष्य में धकेल देती थी। रेस्क्यू के बाद बच्चों को उनके परिजन को सौंप दिया जाता था, लेकिन अलीगढ़ एसएसपी ने दिसंबर के दूसरे सप्ताह में रेस्क्यू इन बच्चों के लिए एक पहल शुरु की है। नशा मुक्त अभियान के तहत पुलिस ने 24 ऐसे बच्चों को न सिर्फ नशे की गिरफ्त से बाहर निकाला, बल्कि उन्हें शिक्षा के जागरुक कर जीवन की नई शुरुआत दी है। खास बात यह है कि गरीबी इन बच्चों की पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी। एसएसपी स्वयं इन बच्चों की स्कूल फीस भरेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन के निर्देशन में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग (एएचटी) प्रभारी एकता सिंह ने टीम के साथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और सार्वजनिक जगहों पर अवैध केमिकल व साल्यूजन का सेवन कर रहे नाबालिग बच्चों को चिन्हित कर रेस्क्यू किया था। इसके बाद बच्चों को बाल संरक्षण केंद्र में रखा गया। जहां उनकी काउंसलिंग, देखभाल और मानसिक पुनर्वास किया गया। इस पहल का सबसे मानवीय पक्ष तब सामने आया, जब यह तय किया गया कि बच्चों की गरीबी उनकी पढ़ाई में बाधा नहीं बनेगी।

आरोपी ने दुकानदारों को फर्जी पेमेंट होने फोटो दिखाकर लगाया 13 हजार का चूना

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ के जाकिर कॉलोनी से ऑनलाइन धोखाधड़ी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक युवक प्रैंक एप के जरिए दुकानदारों को फर्जी पेमेंट दिखाकर चूना लगा रहा था। अंततः दुकानदार की सतर्कता के कारण आरोपी पकड़ा गया और पुलिस की हिरासत में है। लोहियानगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी में सुहैल नाम के व्यक्ति की कन्फेक्शनरी की दुकान है। पिछले एक सप्ताह से साजिद नाम का युवक उनकी दुकान पर आ रहा था। वह सामान खरीदने के बाद मोबाइल पर ऑनलाइन पेमेंट होने का कन्फर्मेशन पेज (फोटो) दिखाता और चला जाता। सुहैल फोटो देखकर भरोसा कर लेता था कि पैसे ट्रांसफर हो गए हैं। लेकिन लगातार कई दिनों तक यह सिलसिला चलने के बाद सुहैल को शक हुआ। जब सुहैल ने अपनी बैंक डिटेल और स्टेटमेंट चेक किया, तब उसके होश उड़ गए। साजिद द्वारा दिखाए गए पेमेंट में से एक रुपया भी खाते में जमा नहीं हुआ था। तब तक आरोपी सुहैल को करीब 13 हजार रुपये का चपत लगा चुका था। इसके बाद जब साजिद फिर से सामान लेने पहुँचा और फिर से वहीं फर्जी फोटो दिखाई, तब सुहैल ने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। खुद को फंसता देख आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़कर उसकी जमकर धुनाई कर दी।

उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दीजअब आया बारिश का अलर्ट, 7 राज्य झेलेंगे मौसम की दोहरी मार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अधिकांश राज्यों में भीषण ठंड और घने कोहरे का कहर जारी है। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर प्रदेश समेत उत्तर-पश्चिम भारत के पांच राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, मौसम विभाग ने यह राहत भरी खबर भी दी है कि आने वाले तीन दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के निवासियों को हाड़ कंपाने वाली ठंड से थोड़ी राहत मिल सकती है। राजधानी दिल्ली में सोमवार को भी सुबह की शुरुआत घने कोहरे के साथ हुई, जिससे दृश्यता काफी कम रही और जनजीवन प्रभावित हुआ।

मौसम विभाग की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 31 दिसंबर से 1 जनवरी के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, पश्चिम उत्तर प्रदेश और राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। पहाड़ी क्षेत्रों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद में 29 दिसंबर को बारिश और उसके बाद 30 दिसंबर से 2 जनवरी तक भारी बारिश या बर्फबारी की चेतावनी दी गई है। इस दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे

इलाकों में भी बर्फबारी और मैदानी हिस्सों में बारिश की संभावना जताई गई है।

तापमान के उतार-चढ़ाव को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम भारत के न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे ठंड से कुछ राहत मिलेगी। हालांकि, इसके बाद के तीन दिनों में तापमान में फिर से 2 डिग्री तक की गिरावट आ सकती है। मध्य और पूर्वी भारत में अगले 24 घंटों तक स्थिति यथावत रहेगी, लेकिन उसके बाद वहां भी न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। देश के बाकी हिस्सों में तापमान में किसी बड़े बदलाव की उम्मीद नहीं है।

कोहरे और शीत लहर का संकट फिलहाल पूरी तरह टला नहीं है। 31 दिसंबर तक हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिम उत्तर प्रदेश में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाया रह सकता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे का यह असर 1 जनवरी तक बने रहने की संभावना है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के राज्यों जैसे असम, मेघालय और त्रिपुरा में भी घने कोहरे के कारण यातायात प्रभावित हो सकता है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 29 दिसंबर को शीत दिवस जैसी स्थिति रहने का अनुमान है, जबकि पंजाब और हरियाणा में 30 दिसंबर को शीत लहर का प्रकोप देखा जा सकता है। नए साल के स्वागत के दौरान बारिश और बर्फबारी के इस मेल से पर्यटकों के चेहरे खिल सकते हैं, लेकिन मैदानी इलाकों में ठिठुरन बनी रहेगी।

उद्धव गुट ने खोला कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा... इस बार कांग्रेस मुक्त मुंबई का नारा चल रहा

मुंबई। बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के कुछ दिनों पहले ही इंडिया गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने दो टूक कहा कि इस बार कांग्रेस मुक्त मुंबई का नारा चल रहा है। पार्टी ने कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी के गठबंधन पर नाराजगी जाहिर की है। साथ ही कांग्रेस पर पीठ में छुरा भोंकने के आरोप लगाए हैं। 15 जनवरी को बीएमसी सहित महाराष्ट्र के 29 नगर निकायों में चुनाव होने हैं। शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने हमारी पीठ में छुरा भोंका है। पहले भाजपा ने भोंका और अब कांग्रेस ने भोंका दिया है। ये महाराष्ट्र और मुंबई की जनता ने देखा है। कांग्रेस पार्टी केवल तुष्टिकरण की राजनीति चाहती है। जिस वंचित अघाड़ी से पूरे जीवन कांग्रेस लड़ती आई। आज उसी साथ खड़ी है और 60 से ज्यादा सीटें देकर वंचित अघाड़ी को बड़ा भाई बनाना चाह रही है। जबकि, वंचित के पास उम्मीदवार नहीं है पूरी मुंबई में। उन्होंने कहा, किसी से नाम पूछ लो कि वंचित बहुजन अघाड़ी का क्या इतिहास है, तब मुंबई की जनता बता नहीं पाएगी। लेकिन उसी वंचित अघाड़ी के साथ कांग्रेस जा रही है। यह सब बड़ा मुंबई में खिलाफ षड्यंत्र हो रहा है और हमें लग रहा है कि ये सब भाजपा करा रही है। ये वंचित अघाड़ी हो या कांग्रेस हो, भाजपा की बी टीम बनकर जो काम कर रही हैं। इनका सूपड़ा 16 को साफ होगा। शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता दुबे ने कहा, एमवीए और इंडिया गठबंधन राज्य और केंद्र सरकार के लिए बना था। यह मुंबई महानगरपालिका का चुनाव है। इस चुनाव में राज और उद्धव ठाकरे साथ है। जो हमारे साथ आ रहा है, उसका स्वागत है।

कर्नाटक में नेतृत्व की रार: डीके शिवकुमार का सत्ता के स्थायित्व पर प्रहार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा हाल ही में दिए बयानों ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुट में हलचल पैदा कर दी है। कांग्रेस स्थापना दिवस के मौके पर शिवकुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती, इस बयान को सीधे तौर पर सिद्धारमैया के लिए एक कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है। डिप्टी सीएम शिवकुमार ने इतिहास का हवाला देकर कहा कि सिकंदर महान और सद्दाम हुसैन जैसे शक्तिशाली लोग भी हमेशा के लिए नहीं रहे। उनके इस बयान के पीछे दो प्रमुख संकेत छिपे हैं। जहां शिवकुमार यह जताना चाहते हैं कि ढाई साल का कार्यकाल (मिड-टर्म) पूरा होने के बाद अब नेतृत्व परिवर्तन का समय आ गया है। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं हैं, बल्कि उन्होंने पार्टी के लिए जमीनी स्तर पर काम किया है। यह सिद्धारमैया की तुलना में खुद को अधिक निष्ठावान पार्टी कैडर दिखाने की कोशिश है। 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद से ही सत्ता-साझाकरण समझौते की चर्चाएं जोरों पर हैं। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल के मुख्यमंत्री पद का गुप्त समझौता हुआ था। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि वे अपना पांच साल का पूरा कार्यकाल निभाएंगे। उन्होंने हाल ही में एक गुप्त समझौते की ओर इशारा किया है, हालांकि उन्होंने इसके विवरण साझा नहीं किए। भले ही दोनों नेता कैमरे के सामने एकजुट होने का दावा करते हों, लेकिन शिवकुमार की टिप्पणियां साफ करती हैं कि कांग्रेस के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है। नेतृत्व के इस भ्रम से शासन व्यवस्था और पार्टी की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। अब सबकी निगाहें कांग्रेस आलाकमान पर टिकी हैं कि क्या वे 2026 की शुरुआत में किसी बड़े बदलाव की अनुमति देगा या यथास्थिति बनाए रखेगा।

संघ की तारीफ पर राहुल गांधी ने दिग्विजय से दो टूक कहा- ये आपने ठीक नहीं किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की तारीफ करने को लेकर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर चुटकी ली है। दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पार्टी के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान यह वाकया सामने आया, जहां राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से मुलाकात के दौरान उनके सोशल मीडिया पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी।

सूत्रों के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जब दोनों नेता आमने-सामने आए, तो राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से हाथ मिलाते हुए मजाकिया अंदाज में कहा, कल आपने गलत व्यवहार कर दिया। राहुल गांधी की इस टिप्पणी को सुनकर वहां मौजूद सोनिया गांधी और अन्य वरिष्ठ नेता अपनी हंसी नहीं रोक पाए। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक चर्चा भी हुई।

विवाद की शुरुआत 27 दिसंबर को हुई, जब दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पुरानी तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी नजर आ रहे हैं। तस्वीर साझा करते हुए दिग्विजय सिंह ने आरएसएस और भाजपा के अनुशासन की सराहना की थी। उन्होंने लिखा था कि यह बहुत प्रभावशाली है कि कैसे एक जमीनी स्वयंसेवक और कार्यकर्ता, नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री बन जाता है। उन्होंने इसे संगठन की असली ताकत बताया था।

पार्टी के भीतर तीखी प्रतिक्रिया दिग्विजय सिंह के इस बयान ने कांग्रेस के भीतर हलचल मचा दी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने स्थापना दिवस के संबोधन में बिना नाम लिए अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने कभी संविधान और धर्मनिरपेक्षता से समझौता नहीं किया है। वहीं, अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। नेताओं का कहना था कि कांग्रेस को गांधी के हत्यारे की विचारधारा वाले संगठन से कुछ भी सीखने की जरूरत नहीं है। कुछ सांसदों ने तो इसकी तुलना चरमपंथी संगठनों से करते हुए कहा कि नफरत फैलाने वाली विचारधारा से प्रेरणा नहीं ली जा सकती। दिग्विजय सिंह ने दी सफाई विवाद बढ़ता देख दिग्विजय सिंह ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आरएसएस और प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों के घोर विरोधी हैं, उन्होंने केवल संगठन चलाने की कार्यशैली की बात की थी। सिंह ने जोर देकर कहा कि नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति उनकी निष्ठा अटूट है और भाजपा विपक्षी एकजुटता में दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है।

बीएमसी चुनाव के लिए बीजेपी ने जारी की 66 उम्मीदवारों की पहली सूची

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में बीएमसी चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पहली सूची जारी कर दी है। चुनाव में भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बीजेपी ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव के लिए अपने 66 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। ये चुनाव अगले साल जनवरी में होने हैं। महायुति के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य में हाल ही में हुए नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में मिली सफलता से उत्साहित है और नगर निगम चुनावों में भी उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहती है। भाजपा, उपमुख्यमंत्री शिंदे की शिवसेना के साथ गठबंधन में बीएमसी चुनाव लड़ रही है। भाजपा बीएमसी की 227 सीटों में से 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, शिंदे की सेना 87 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस लगातार शिवसेना का समर्थन करते रहे हैं और उन्होंने भाजपा नेताओं को शिंदे की पार्टी पर हमला न करने का निर्देश भी दिया था। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था, भाजपा और शिवसेना एकजुट हैं। सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है। हमें औपचारिक रूप से गठबंधन की घोषणा करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित कर कहा कि महायुति आगामी मुंबई नगर निगम चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा था, मुंबई नगर निगम में महायुति सरकार बनाने और अंधकार छंटेगा, सूर्य उदय होगा और कमल खिलेगा के नारे को साकार करने का संकल्प है। यह चुनाव नगर निकाय में पारदर्शी और ईमानदार शासन स्थापित करने के उद्देश्य से लड़ा जा रहा है।

बंद करो पूरा व्यापार, भारत के तगड़े ऐलान से घुटनों पर आया बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश एक के बाद एक अपनी सारी हदें पार करता जा रहा है। दरअसल शायद बहुत ही कम लोग जानते हैं कि बांग्लादेश की पूरी जूट इंडस्ट्री असल में भारत के कंधों पर चलती है। जूट की खेती के लिए बांग्लादेश पूरी तरह भारत पर निर्भर है। हाई क्वालिटी, हाई यल्डिंग और डिसीज रेजिस्टेंट जूट के बीज भारत एक्सपोर्ट करता है। भारत ही इन्हीं बीजों से पैदा हुई बांग्लादेशी जूट बड़ी मात्रा में वापस खरीदता है। जिस हाथ से बीज खरीदा उसी हाथ को काटने की कोशिश की गई। यहां सबसे बड़ा विरोधाभास है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है। सालाना उत्पादन 2 मिलियन टन है। भारतीय मिल्स, भारतीय फैक्ट्रियां, बांग्लादेशी जूट पर बड़े स्तर पर निर्भर हो चुकी हैं। और इसका फायदा उठाते हुए सितंबर 2025 में बांग्लादेश ने भारत के लिए रॉ जूट का एक्सपोर्ट बंद किया।

बताया गया कि ये भारत के उस फैसले का बदला है जिसमें भारत ने बांग्लादेश से फिनिश्ड जूट गुड्स का इंपोर्ट बंद किया। अब असल वजह यह है कि बांग्लादेशी मैन्युफैक्चरर्स भारत में जूट प्रोडक्ट की डंपिंग कर रहे थे बेहद सस्ते दामों पर। नतीजा भारतीय जूट प्रोडक्ट का मार्केट खत्म हो रहा था। भारतीय मिल्स घाटे में जा रही थी। लाखों वर्कर्स की नौकरी खतरे में थी। इसी मजबूरी में भारत को फिनिश जूट गुड्स पर रोक लगानी पड़ी। यानी जब कोई व्यापार के नाम पर वार करे, तब जवाब भी व्यापार से दिया जाता है।

बांग्लादेश से रॉ जूट सप्लाई बंद होते ही भारतीय मिल्स को महंगी भारतीय जूट पर जाना पड़ा। प्रोडक्शन कॉस्ट कई गुना बढ़ गई। कई फैक्ट्रियों में उत्पादन घट गया। नतीजा लाखों जूट वर्कर्स की नौकरियां खतरे में आ गई। हालांकि यह सच है कि यह सप्लाई शॉर्ट टर्म में रुकी है। लंबे समय में इंडस्ट्री भारतीय जूट पर शिफ्ट होगी। भारत बांग्लादेश से ज्यादा जूट पैदा करता है, बेहतर तकनीक रखता है, फिर भारत बांग्लादेशी कीमतों को मैच क्यों नहीं कर रहा है? यही आता है सब्सिडी और नीति का खेल। बांग्लादेश सरकार जूट किसानों को भारी सब्सिडी देती है। लॉजिस्टिक में छूट एक्सपोर्ट इंसेंटिव देती है। भारत का मानना है कि सिर्फ जूट बीज नहीं बल्कि उन सभी क्रिटिकल सप्लाई चेन्स पर भारत को एक्शन लेना चाहिए जिनसे बांग्लादेश की इकॉनमी चलती है।

अरावली पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री की भूमिका उजागर करता

-कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बोला हमला

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की पुनर्परिभाषा को लेकर चल रहे विवाद पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के ताजा आदेश ने पर्यावरण मंत्री की भूमिका को उजागर किया है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से पर्यावरण मंत्री अरावली की पुनर्परिभाषा के मुद्दे पर उन पर और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर राजनीति करने के आरोप लगा रहे थे, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट में सच्चाई सामने आ गई है।

कांग्रेस नेता रमेश के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र द्वारा आगे बढ़ाई जा रही अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा पर रोक लगा दी है। रमेश ने आरोप

लगाया कि केंद्र अरावली जैसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करने पर आमादा है, जबकि यह क्षेत्र दिल्ली, हरियाणा, गुजरात और खासतौर पर राजस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के 19 जिले अरावली से सीधे जुड़े हैं और खुद पर्यावरण मंत्री भी इसी क्षेत्र से आते हैं।

कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि पर्यावरण मंत्री एक ओर सरिस्का अभ्यारण्य में बाघों के महत्वपूर्ण आवास की सीमाओं को फिर से निर्धारित करने में लगे हैं और दूसरी ओर अरावली को लेकर गहलोत और उनके खिलाफ राजनीति करने का आरोप लगा रहे थे। रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से अब यह साफ हो गया है कि केंद्र सरकार की दलीलें टिक नहीं पाईं।

इस बीच, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि 20 नवंबर को दिए उस आदेश को स्थगित करना बेहद राहत भरा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा अरावली पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला की परिभाषा को स्वीकार किया था। गहलोत ने कहा कि चार राज्यों की जनता ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लोग इस मुद्दे पर चिंतित हैं और विभिन्न रूपों में विरोध जता चुके हैं।

चीन की हरकत देख भारत हिमालय पर सड़क, सुरंग और हवाई पट्टियों का कर रहा निर्माण

-यह कदम 2020 में चीन के साथ एलएसी पर हुई घातक झड़प के बाद उठाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की हरकतों को देख भारत भविष्य के टकराव को देखते हुए हिमालय में अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत कर रहा है। इसके लिए भारत सड़कों, सुरंगों और हवाई पट्टियों के निर्माण पर करोड़ों डॉलर खर्च कर रहा है। यह कदम 2020 में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हुई घातक झड़प के बाद उठाया गया। उस झड़प ने 2200 मील लंबी विवादित सीमा पर भारत की सामान पहुंचाने की व्यवस्था बड़ी कमियों को उजागर कर दिया था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन दशकों से अपनी सीमावर्ती इलाकों में रेल और सड़कों का एक बड़ा नेटवर्क बना चुका है, लेकिन भारत अपने पहाड़ी सीमावर्ती इलाकों में सैनिकों को तेजी से पहुंचाने के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे के निर्माण में पीछे रह गया था। 2020 की झड़प में 14,000 फीट की ऊंचाई पर भारतीय और चीनी सैनिक डंडों और कांटेदार तारों से लिपटे क्लबों से हाथापाई कर रहे थे। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन अपने सैनिकों को कुछ ही घंटों में वहां पहुंचा सकता था, जबकि भारत को उस इलाके में अतिरिक्त सैनिकों को पहुंचाने में एक हफ्ते तक का समय लग सकता था।

रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व मेजर जनरल अमृतपाल सिंह लद्दाख में भारत-चीन सीमा के एक अहम हिस्से के पूर्व चीफ ऑफ ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स थे। उन्होंने एक बड़े बदलाव की बात कही। उन्होंने बताया कि यह सोच में एक बहुत बड़ा परिवर्तन था। उन्हें यह अहसास हुआ कि उन्हें अपने पूरे नजरिए को बदलने की जरूरत है। यह बदलाव सीमा पर भारत की रणनीति और तैयारियों को लेकर था। भारत के नॉर्दर्न कमांड के पूर्व कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने बताया कि इन परियोजनाओं का एक मकसद ऊंचाई वाले सैन्य चौकियों को अलग-थलग पड़े नागरिक बस्तियों से जोड़ना है, खासकर उन जगहों को जो कड़ाके की सर्दी में कट जाती हैं। सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक जोजिला सुरंग है, जिसे उत्तरी भारत के पहाड़ों में करीब 11,500 फीट की ऊंचाई पर बनाया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक 750 मिलियन डॉलर से ज्यादा की इस सुरंग पर काम 2020 की सीमा झड़प के तुरंत बाद शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि करीब 9 मील लंबी यह परियोजना, जिसके दो साल में पूरा होने की उम्मीद है, लद्दाख में सीमा चौकियों तक सामान पहुंचाने के मुश्किल काम को आसान बना देगी। लद्दाख में भारी बर्फबारी के कारण ये चौकियां साल में 6 महीने तक कटी रह सकती हैं।

फिलहाल सामान ट्रकों या ट्रेनों से जम्मू और कश्मीर के पड़ोसी डिपो तक पहुंचाया जाता है। वहां से काफिले उन्हें लद्दाख की राजधानी लेह तक ले जाते हैं। लेह से छोटी गाड़ियां खराब रास्तों से गुजरती हैं और फिर पोर्टर और खच्चर समुद्र तल से 20,000 फीट ऊपर तक जरूरी सामान पहुंचाते हैं।

रिपोर्ट में बताया कि यह हर साल नियमित रूप से किया जाने वाला एक बहुत बड़ा लॉजिस्टिक्स का काम है। हर सैनिक को हर महीने करीब 220 पाउंड यानी करीब 100 किलो सामान की जरूरत होती है, जिसमें खाना, कपड़े और टूथपेस्ट जैसी रोजमर्रा की चीजें शामिल हैं। 30 सैनिकों वाली एक सामान्य चौकी, जिसमें पहरेदार चौकियां और बैरक शामिल हैं, हर दिन करीब 13 गैलन ईंधन की खपत करती है। जोजिला सुरंग यात्रा के समय को कई घंटों तक कम कर देगी और साल भर सामान की

आवाजाही संभव बनाएगी। 1000 से ज्यादा निर्माण श्रमिक अत्यधिक ठंड में काम कर रहे हैं, जहां तापमान माइनस 40 डिग्री फारेनहाइट तक गिर सकता है। यहां एक बड़ी इंजीनियरिंग चुनौती श्रमिकों और बाद में डीजल से चलने वाली सेना की ट्रकों के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखना है। यह सब दिखाता है कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर कितना गंभीर है और चीन के साथ किसी भी टकराव के लिए खुद को तैयार कर रहा है। पहाड़ी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास सैनिकों को तेजी से पहुंचाने और उन्हें जरूरी सामान उपलब्ध कराने में मदद करेगा, जो पहले एक बड़ी चुनौती थी।

मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव

टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया में नए साल के मौके पर खास कार्यक्रम देखने को मिलते हैं। इस बार भी जीटीवी ने दर्शकों के लिए खास कार्यक्रम जी रिश्तों का मेला 2025 आयोजित किया है। इस बार इस खास शो को होस्ट करने की जिम्मेदारी टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्रद्धा आर्या को मिली, जिन्हें दर्शक उनके हिट शो कुंडली भाग्य में प्रीता के किरदार से जानते हैं। उनके साथ अभिनेता जय भानुशाली भी होंगे, जो उनका साथ देंगे। श्रद्धा आर्या ने अपने अनुभव के बारे में बताया। उन्होंने कहा, मुझे यह अनुभव ऐसा लगा, जैसे एक बड़ा उत्सव हो, जिसमें प्यार और अपनापन भरा हो। शो होस्ट करना मेरे लिए सिर्फ काम नहीं, बल्कि एक खुशी और उत्साह से भरा अनुभव था। कार्यक्रम के दौरान मैंने न सिर्फ दर्शकों का मनोरंजन किया, बल्कि उनके साथ अपने जुड़ाव को भी महसूस किया। वर्क-लाइफ बैलेंस की बात करते हुए श्रद्धा ने कहा, मां बनने और शूटिंग के बीच संतुलन बनाए रखना मेरे लिए एक सीखने वाला अनुभव रहा है। कई बार शूटिंग के दौरान मुझे बच्चों की बहुत याद आती है और कभी-कभी यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी लगता है। काम के दौरान दिल का एक हिस्सा हमेशा बच्चों के साथ रहता है। लेकिन, जब मैं काम खत्म करके घर लौटती हूं और बच्चे मुझे गले लगाते हैं, तो सारी थकान और मुश्किलें तुरंत दूर हो जाती हैं।

श्रद्धा ने बताया कि उनके लिए यह सब थोड़ा आसान रहा, क्योंकि उन्हें घर और सेट दोनों जगह बहुत समर्थन मिला। उनके परिवार ने हमेशा उन्हें समझा और टीम ने भी उनके समय और जिम्मेदारियों का सम्मान किया। इस सहयोग के कारण वह अपने काम में सहज महसूस कर पाई। उन्होंने कहा, जीटीवी की टीम के साथ शूटिंग करना हमेशा आसान और मजेदार रहा है। टीम मेहनत और समय का सम्मान करती है, जिससे मुझे काम में आराम मिलता है और प्रदर्शन भी बेहतर होता है।

जी रिश्तों का मेला 2025 को होस्ट करने के बारे में श्रद्धा ने कहा, नए साल का स्वागत करना और इस खास मौके पर दर्शकों के साथ जुड़ना एक बड़े उत्सव जैसा महसूस हुआ। शो में प्यार, यादें और अपनापन साफ दिखता है। सेट पर काम करते समय लोग मुझे अब भी प्रीता के नाम से बुलाते हैं। कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे कुंडली भाग्य अभी भी चल रहा है और मैं रोज शूटिंग कर रही हूं।

सहर बंबा ने साझा किए बीते 25 सालों में पांच सबसे यादगार पल

सिनेमा की दुनिया में जब भी किसी कलाकार के नाम का जिक्र होता है, तो दर्शक उन्हें उनके सफर और अनुभवों से याद करते हैं। इस कड़ी में फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' की एक्ट्रेस सहर बंबा ने बातचीत में बताया कि 2000 से 2025 तक उनके जीवन के पांच सबसे यादगार पल कौन-कौन से रहे। सहर ने कहा कि सबसे यादगार पलों की शुरुआत उस दिन से होती है जब उन्होंने फिल्म 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के ट्रेलर लॉन्च पर शाहरुख खान के साथ स्टेज साझा किया और उनके साथ डांस किया। सहर ने कहा, 'यह सिर्फ एक फैन मोमेंट नहीं था, बल्कि एक जरिया था यह याद दिलाने का कि मुझे सिनेमा से प्यार क्यों हुआ था। यह पल मेरे लिए सपना सच होने जैसा था, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकती।' दूसरे सबसे यादगार पल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे लिए दूसरा सबसे यादगार पल वह था जब मुझे आर्यन खान ने खुद कॉल करके बताया कि वह शो का हिस्सा बन गई हैं। इस कॉल ने मेरी जिंदगी बदल दी। मुझे उस वक्त एहसास हुआ कि मैं किसी बड़े प्रोजेक्ट के लिए चुनी गई हूं। यह कॉल उनके मुझपर भरोसा किए जाने के बारे में था। सहर ने बताया, ''तीसरा यादगार पल था, जब मैंने पहली बार लीड एक्ट्रेस के तौर पर सेट पर कदम रखा। उस समय मुझे कोई बाहरीपन महसूस नहीं हुआ, ऐसा लगा जैसे मेरा सेट से कोई खास जुड़ाव हैं। मैं कहानी को पूरी तरह से निभाने और पेशेवर रूप से काम करने के लिए तैयार थी। यह एहसास मेरे आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। चौथे सबसे खास पल की बात करते हुए उन्होंने कहा, 'चौथा खास पल परिवार से जुड़ा हुआ है। अपने परिवार का अपने ऊपर गर्व देखकर मैं इमोशनल हो गई थी। जब परिवार के सदस्यों ने मेरी मेहनत और सफर को देखा, तो वह मुझ पर गर्वित हुए। मेरा परिवार हमेशा सबसे बड़ा सहारा और प्रेरणा रहा है। पांचवां और आखिरी महत्वपूर्ण पल था सहर के लिए एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान पाना। उन्होंने कहा, 'मैंने एक कलाकार के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। कब 'ना' कहना है, धैर्य रखना है, और समय पर भरोसा करना है, यह मैंने सीख लिया है। यह अंदरूनी बदलाव मेरे लिए किसी बाहरी सफलता जितना ही महत्वपूर्ण है।

अब केवल हिट फिल्म में नहीं, बल्कि सराहना में भी छिपी है कामयाबी

भारतीय फिल्म और वेब इंडस्ट्री पिछले कुछ दशकों में बहुत बदल चुकी है। खासकर महिला कलाकारों के लिए अब नए मौके खुले हैं, जो पहले शायद सिर्फ सीमित तरह के रोल तक ही सिमटकर रह जाते थे। इसी बदलाव और अपनी व्यक्तिगत यात्रा को लेकर अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि कैसे उनकी यात्रा में बदलाव आए। श्वेता ने कहा, मैंने अपने करियर में ऐसे लोगों के साथ और कहानियों में काम किया है, जिन्होंने मुझे नए तरीके से सोचने और महसूस करने का मौका दिया है। मैं हमेशा रूढ़िवादी सोच को चुनौती देने में भरोसा करती हूं। पहले फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए अवसर और रोल सीमित होते थे। हीरोइन या महिला कलाकार का रूप और किरदार अक्सर तय ही होता था। लेकिन अब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, नए क्रिएटर्स, और दर्शकों की बदलती सोच ने कहानी कहने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। श्वेता ने इस बदलाव में दर्शकों की अहम भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, सिर्फ कहानीकार ही बदलाव नहीं लाते, बल्कि दर्शक भी इसमें अपना अहम योगदान देते हैं। जब दर्शक इन नई कहानियों का समर्थन करते हैं, उन्हें अपनाते हैं, किरदारों और कहानियों को पसंद करते हैं और सराहना देते हैं, तब कलाकारों को प्रयोग करने का हौसला मिलता है। आज के समय में कलाकारों के पास ज्यादा जगह है कि वे नए अनुभव लें और अपने करियर की दिशा खुद तय करें।

अपने व्यक्तिगत अनुभव के बारे में श्वेता ने बताया, इंडस्ट्री ने मुझे धैर्य रखना सिखाया और आत्मविश्वास को बढ़ाया। सफलता अब सिर्फ एक ही रूप में नहीं देखी जाती। पहले यह माना जाता था कि एक कलाकार को सिर्फ बड़े नाम और बॉक्स ऑफिस हिट चाहिए। लेकिन, आज सफलता की परिभाषा बदल गई है और ये सभी के लिए अलग-अलग हो सकती है। जब आप अच्छा काम करते हैं और वह सराहा जाता है, तो यह आपको एक खास तरह की ताकत देता है। श्वेता ने कहा, करियर में अब तक के अलग-अलग किरदार और कहानियां मेरे लिए हमेशा यादगार रहे हैं। सभी किरदारों ने मुझे अलग तरह से सोचने और महसूस करने का मौका दिया। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसा प्रोफेशन मिला, जो मुझे नए तरीके से देखने और समझने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, इंडस्ट्री में महिलाओं की जगह और उनकी आवाज पहले की तुलना में बहुत मजबूत हो गई है। अब न केवल बड़े स्टार्स बल्कि छोटे और नए कलाकार भी अपनी पहचान बना सकते हैं, साथ ही दर्शकों के साथ सीधे जुड़ सकते हैं। यह बदलाव अवसर के साथ-साथ रचनात्मक स्वतंत्रता भी देता है।

नागिन 7 में प्रियंका चाहर चौधरी के साथ नजर आएंगे साहिल उप्पल

छोटे पर्दे की क्वीन एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल नागिन का सातवां सीजन शुरू होने वाला है। इसकी प्रीमियर डेट नजदीक आ रही है। इसी के साथ कास्ट को लेकर भी नई-नई अपडेट आ रही हैं। शो में लीड रोल एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी अदा करेंगी। उनके साथ एक लोकप्रिय एक्टर की शो में एंट्री हुई है। शो से साहिल उप्पल जुड़ गए हैं। रियलिटी शो 'बिग बॉस 16' और 'उडारियां' जैसे शोज में काम कर चुकीं प्रियंका चाहर चौधरी नागिन 7 में लीड रोल अदा करेंगी। टेलीचक्कर की एक रिपोर्ट के मुताबिक शो में साहिल उप्पल लीड रोल में नजर आएंगे।

ये सितारे भी होंगे शो का हिस्सा

प्रियंका चाहर, नमिक पॉल और साहिल उप्पल के अलावा नागिन 7 में ईशा सिंह, विहान वर्मा, रिब्बू मेहरा, कुशाग्र दुआ, प्रतीक्षा राय, निवेदिता पाल और आफरीन दबेस्तानी भी अहम भूमिका अदा करते दिखेंगे। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ वापसी कर रहे इस शो को लेकर दर्शक भी उत्साहित हैं।

आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड में अक्सर एक्ट्रेसेस की तुलना की खबरें आती रहती हैं। अक्सर कहा जाता है कि इस दो एक्ट्रेसेस के बीच नंबर वन बनने की रेस लगी रहती है। श्रद्धा कपूर और आलिया भट्ट ये वो दो हीरोइनें हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में कदम लगभग एक साथ ही रखा था लेकिन ये डिबेट अक्सर होती है कि आलिया को ज्यादा मौके दिए गए और श्रद्धा को कहीं ना कहीं साइडलाइन करने की कोशिश की गई। अब लीजिए इस पर श्रद्धा कपूर के पापा शक्ति कपूर ने शॉकिंग खुलासा किया है।

आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं श्रद्धा कपूर

दरअसल हाल ही में एक इंटरव्यू में श्रद्धा कपूर के पापा ने खुलकर इस सब पर बात की है। इस बातचीत में उन्होंने बताया है कि, आलिया भट्ट भले ही ज्यादा फिल्में कर रही हों, या उन्हें ज्यादा मौके मिल रहे हों, लेकिन श्रद्धा कपूर फिर भी आलिया भट्ट से ज्यादा फीस लेती हैं। उन्होंने इसमें अनन्या पांडे का भी जिक्र किया है। शक्ति कपूर ने हाल ही में पॉडकास्ट द पावरफुल ह्यूमन्स में बात करते हुए श्रद्धा को आलिया-अनन्या पांडे से कंपेयर करने पर सवाल किया गया और पूछा गया कि श्रद्धा वाकई में कम फिल्में करती हैं या उन्हें ऑफर्स कम मिलते हैं तो इस पर उन्होंने कहा कि, मैं सच कहूं तो वो फिल्में ही कम करती है। जो सबसे अच्छी होती हैं, वही फिल्म वो करती है, पर पैसा ज्यादा लेती है। इन सबसे ज्यादा पैसा लेती है। वह साल में सिर्फ एक या दो ही फिल्में करती है।

क्या श्रद्धा को सच में मिल रहीं कम फिल्में?

शक्ति कपूर ने यहां इशारों ही इशारों में बहुत कुछ कह दिया। उनके मुताबिक, भले ही श्रद्धा कम फिल्में करती हों, लेकिन आलिया से ज्यादा फीस लेती हैं। वहीं शक्ति से पूछा गया कि ऐसी खबरें आती हैं कि, श्रद्धा को उतना काम नहीं मिल रहा है तो इस पर वो हंसते हुए कटाक्ष करते हुए कहते हैं कि, 'क्या सच में उसे काम नहीं मिल रहा है?

मैं कर्जत में खेती करके खुश थी, सोचा लिया था उनकी शक्ल नहीं देखूंगी

एक दशक पहले छोटे पर्दे के चर्चित कॉमिडी शो भाभी जी घर पर हैं ने जिस एक किरदार को सबसे अधिक पॉपुलर बनाया, वो है अंगूरी भाभी का। सही पकड़े हैं जैसे तकिया कलाम से एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने इस किरदार में जान डाल दी। दर्शक उनके मुरीद हो गए। लेकिन 2016 में फैंस को तब झटका लगा जब शिल्पा ने भारी विवादों के बीच शो छोड़ने का फैसला कर लिया। तब उनके और शो के मेकर्स के बीच आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर भी चला। जाहिर है, ऐसे में किसी ने नहीं सोचा था कि शिल्पा कभी दोबारा अंगूरी भाभी बनकर लौटेंगी। लेकिन वक्त बदला, कड़वाहट कम हुई और अब वह फिर से भाभी जी घर पर हैं 2.0 में लौट आई हैं। शो में अपनी वापसी के बारे में शिल्पा शिंदे कहती हैं, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यह शो वापस करूंगी। मैंने तो संतोष कर लिया था कि चलो जिंदगी में जो हुआ, वो हुआ। लेकिन असल में, हमारे शो के जो राइटर हैं मनोज संतोषी जी, यह किरदार उनका बच्चा था। उन्होंने अंगूरी भाभी को जन्म दिया था। वह अक्सर मुझे फोन करते रहते थे। पूछते भी थे कि क्या मैं वापस आऊंगी, मगर मैं टाल जाती थी। शिल्पा ने बताया कि वह मनोज के कारण ही शो में लौटी हैं।

मैं मनोज जी के लिए लौटी हूं

एक्ट्रेस ने आगे बताया, पिछले साल दिसंबर में मनोज संतोषी जी की तबीयत खराब हो गई, तब मैं उनके संपर्क में थी। जो भी संभव हुआ, मैंने किया। उनके साथ हॉस्पिटल में रही। मेरी पूरी कोशिश थी कि मैं मनोज जी को बचाऊं, मगर नहीं बचा पाई। उनका लिवर ट्रांसप्लांट होना था, पर वे नहीं बच पाए। उस दौरान जब शो से जुड़े सब लोग मिले तो एक अलग बॉन्डिंग हो गई। जब मेकर्स ने मुझे पूछा तो मैंने पहले मना ही किया। फिर आसिफ शेख जी ने कहा कि मनोज जी बहुत खुश होंगे तो मैंने उनके लिए और ऑडियंस जिसने हमेशा मुझे प्यार दिया, उनके लिए यह शो किया।

उन इल्जामों में सच्चाई नहीं

शिल्पा ने 2016 में जब शो छोड़ा था, तब मेकर्स ने जहां उन्हें कानूनी नोटिस भेजा था, वहीं उन्होंने भी मेकर्स पर सेक्सुअल हरैसमेंट के आरोप लगाते हुए स्त्रह्वक्रदर्ज करवाई थी। इतनी तल्खी के बाद शो में वापसी को लेकर कोई डर था? इसके जवाब में वह कहती हैं उस वक्त हम दोनों के बीच एक तीसरा व्यक्ति था और जब भी कोई तीसरा घुसता है तो बहुत सारी गलतफहमी क्रिएट होती है और रिश्ता टूट जाता है। हमारे साथ भी वही हुआ था। जहां तक इल्जाम लगाने की बात थी तो मैंने महाभारत के सीख लेते हुए जैसे को तैसा वाली चीज की थी, क्योंकि मुझ पर अनप्रफेशनल होने, शो को खराब करने जैसे इल्जाम लगाए जा रहे थे। मुझे काम करने से रोका जा रहा था। ऐसे में मेरे पास कोई रास्ता नहीं था, लेकिन हकीकत सबको पता है।

मेरा टीवी से मन उठ गया था

शिल्पा शिंदे भाभी जी घर पर हैं से फेमस हुईं। बाद में बिग बॉस 13 की विनर भी बनीं। इसके बावजूद उन्होंने झलक दिखला जा के अलावा कोई और शो नहीं किया। इस बारे में वह बताती हैं, मेरा टीवी से मन उठ गया था। मुझ पर जिस तरह इल्जाम लगाए गए, काम नहीं करने दिया गया तो मेरी सोच भी ऐसी थी कि भाड़ में जाओ। आपकी वजह से मेरी रोजी रोटी नहीं चल रही है। मैंने तो लिखकर रखा था कि बिग बॉस के बाद छह महीने तक जो मेरे साथ काम करने आएंगे, उनकी जिंदगी में शक्ल नहीं देखूंगी (हंसती हैं)। मेरी ये सोच थी कि मुझे इन लोगों के साथ काम नहीं करना है जो बिग बॉस की सफलता के बाद मेरे पास आए। उसके अलावा, जो ऑफर आए वो इतने अच्छे नहीं थे कि उन्हें करने का मन करे।

मैं तो खेती करके खुश थी

बकौल शिल्पा, मैंने तो टीवी इंडस्ट्री को टाटा-बाय बोल दिया है। मैं बहुत अलग दुनिया में जा चुकी हूं। मैं कर्जत में जैसे गांव में रहते हैं, खेती करते हैं, वैसे रहती हूं। मैंने मुंबई लगभग छोड़ दिया है। मैंने पहले लॉकडाउन के दौरान कर्जत में कुछ जमीन ली थी। वहां मैंने अपना बंगला बनाया है। फिर रिवरसाइड पर और जमीन ली, जहां मैं बहुत प्यारा सा विंटेज रिसॉर्ट जैसा बना रही हूं। मैं खुद ही उसकी इंजीनियर, आर्किटेक्ट सब हूं, तो उसमें बिजी रहती हूं। मैं वहां ऑर्गेनिक फार्मिंग कर रही हूं तो मैं अपनी जिंदगी में काफी संतुष्ट हूं। वरना ये ग्लैमर, पैसा और बाकी चीजों की चाह तो अंतहीन हैं। पैसा जितना भी कमाओ कम पड़ता है लेकिन एक ठहराव जरूरी है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।